website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 245 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार 13 अगस्त 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

पीएम मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति के बीच फोन पर बातचीत, द्विपक्षीय संबंधों पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शौकत मिर्जियोयेव के बीच आज मंगलवार को फोन पर बातचीत हुई। इस दौरान राष्ट्रपति मिर्जियोयेव ने भारत के आगामी 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पीएम मोदी और भारत की जनता को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने व्यापार, संपर्क, स्वास्थ्य, प्रौद्योगिकी और जन-से-जन संबंध जैसे कई अहम क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग की प्रगति की समीक्षा की। इसके अलावा, दोनों नेताओं के बीच क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई और भारत मध्य एशिया के प्राचीन संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए बताया कि राष्ट्रपति मिर्जियोयेव के साथ उनकी सार्थक बातचीत हुई, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग के अहम क्षेत्रों में प्रगति की समीक्षा और भारत–उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के संकल्प को दोहराया गया। दोनों नेताओं ने भविष्य में भी संपर्क बनाए रखने पर सहमति जताई।

भारत और उज्बेकिस्तान के बीच ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध काफी गहरे हैं। संस्कृत और पाली साहित्य में 'काम्बोज' का उल्लेख मिलता है, जिसमें वर्तमान उज्बेकिस्तान के कुछ हिस्से शामिल माने जाते हैं। महाभारत में शक जाति के कौरवों की ओर से युद्ध में भाग लेने का जिक्र है। प्राचीन व्यापार मार्ग 'उत्तरपथ' उज्बेकिस्तान से होकर गुजरता था। इतिहास में फरगाना, समरकंद और बुखारा भारत को यूरोप और चीन से जोड़ने वाले प्रमुख व्यापारिक नगर रहे।

समरकंद और बुखारा में बसे भारतीय व्यापारी स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा थे। सदियों के आपसी संपर्क ने स्थापत्य, नृत्य, संगीत और भोजन में गहरे सांस्कृतिक रिश्ते बनाए। मिर्ज़ा गालिब और अमीर खुसरो जैसे महान भारतीय कवि-कलाकार भी उज्बेक वंश से थे। भारतीय फिल्में लंबे समय से उज्बेकिस्तान में बेहद लोकप्रिय रही हैं, जो आज भी दोनों देशों की सांस्कृतिक निकटता को दर्शाती हैं।

जया बच्चन के फैन को धक्का देने पर कंगना रनौत का तंज

– बोलीं, "अमिताभ बच्चन की बीवी है, इसलिए लोग नखरे झेलते हैं"

नई दिल्ली। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें बॉलीवुड एक्ट्रेस और सपा सांसद जया बच्चन एक सेल्फी लेने की कोशिश कर रहे फैन को धक्का देती नज़र आ रही हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया यूजर्स उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं।

इस मामले पर बॉलीवुड एक्ट्रेस और भाजपा सांसद कंगना रनौत ने भी अपनी तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने जया बच्चन के रवैये को "अहंकारी और असभ्य" बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की।

कंगना ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर जया बच्चन की फैन को धक्का देते हुए तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा –

"बेहद बिगड़ैल और प्रीविलेज महिला है। लोग उनके नखरे और बेतुकेपन को सिर्फ इसलिए बर्दाश्त करते हैं क्योंकि वो अमिताभ बच्चन जी की बीवी हैं। ये समाजवादी टोपी मुर्गे की कंघी जैसी दिखती है, और वो भी मुर्गे जैसी दिखती हैं। कितनी बेइज्जती और शर्मनाक बात है।"

यह पहली बार नहीं है जब जया बच्चन का पब्लिक में गुस्सा किसी फैन या मीडिया के साथ वायरल हुआ हो। पहले भी कई बार उनके वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन चुके हैं। वहीं, कंगना रनौत भी अपने बेबाक और विवादित बयानों के लिए जानी जाती हैं और वह अक्सर सोशल मीडिया पर सेलिब्रिटीज़ को खुलकर निशाना बनाती हैं।

मामले के बाद यह वीडियो लगातार चर्चा में बना हुआ है और लोगों की प्रतिक्रियाएं दो धड़ों में बंटी नज़र आ रही हैं—कुछ जया बच्चन के पक्ष में हैं, जबकि कई लोग कंगना के बयान से सहमति जता रहे हैं।

राहुल गांधी का सुप्रीम कोर्ट के आवारा कुत्ता फैसले पर सवाल

– बोले, "बेजुबान पशु कोई समस्या नहीं, उन्हें हटाना क्रूरता"

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने दिल्ली-एनसीआर से सभी आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर नाराज़गी जताई है। उन्होंने इसे दशकों से अपनाई जा रही मानवीय और वैज्ञानिक नीति से पीछे जाने वाला कदम बताया।

राहुल गांधी ने मंगलवार को X (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा-

"ये बेजुबान पशु कोई 'समस्या' नहीं हैं जिन्हें हटाया जाए। शेल्टर्स, नसबंदी, टीकाकरण और सामुदायिक देखभाल अपनाई जानी चाहिए। इससे बिना क्रूरता के भी डॉग्स को सुरक्षित रखा जा सकता है। पूरी तरह पाबंदी क्रूर और अदूरदर्शी है, जो हमारी दया-भावना को खत्म करता है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जन सुरक्षा और पशु कल्याण दोनों साथ-साथ चलें।"

दरअसल, 11 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के सभी नगर निकायों को निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों को तुरंत पकड़कर नसबंदी करें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम में रखें। इसके लिए 8 हफ्तों का समय दिया गया है। अदालत का कहना है कि इससे सड़कों पर कुत्तों से होने वाली घटनाओं में कमी आएगी और जन सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

राहुल गांधी के बयान के बाद यह मुद्दा अब राजनीतिक बहस का रूप ले चुका है—जहां एक ओर समर्थक इसे मानवीय दृष्टिकोण से जरूरी बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग सुप्रीम कोर्ट के फैसले को जनहित में ठहरा रहे हैं।

पाक सेना प्रमुख की धमकी को अमेरिका के समक्ष मजबूती से उठाए केंद्र सरकार- ओवैसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को पाकिस्तानी सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर की भारत के खिलाफ धमकियों की निंदा की। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मुद्दे को अमेरिका के समक्ष उठाने की मांग की।

पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियां और भाषा निंदनीय

असदुद्दीन ओवैसी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पाकिस्तानी सेना प्रमुख की धमकियों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा, "पाकिस्तानी सेना प्रमुख की भारत के खिलाफ धमकियां और भाषा निंदनीय हैं। उन्होंने अमेरिकी धरती से ऐसा किया, जिससे यह और भी बदतर हो जाता है। सरकार को इस पर राजनीतिक प्रतिक्रिया देनी चाहिए और केवल विदेश मंत्रालय के बयान के जरिए ही नहीं, बल्कि सरकार को अपना विरोध दर्ज कराना चाहिए और अमेरिका के समक्ष इस मुद्दे को मजबूती से उठाना चाहिए।"

भारत एक रणनीतिक साझेदार है और अमेरिकी धरती का यह दुरुपयोग भारत और भारतीयों दोनों को अस्वीकार्य है

उन्होंने आगे लिखा, "भारत एक रणनीतिक साझेदार है और अमेरिकी धरती का यह दुरुपयोग भारत और भारतीयों दोनों को अस्वीकार्य है। पाकिस्तान की सैन्य योजनाओं को समझते हुए, हमें अपने सशस्त्र बलों का आधुनिकीकरण करने की आवश्यकता है। केंद्र सरकार द्वारा रक्षा के लिए कम बजटीय आवंटन अब और नहीं चल सकता। हमें बेहतर तैयारी करने की आवश्यकता है।"

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा

बता दें, आसिम मुनीर ने शनिवार को फ्लोरिडा के टैम्पा में पाकिस्तानी प्रवासियों के साथ एक निजी रात्रिभोज के दौरान ये धमकियां दी थीं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुनीर ने कहा कि हम एक परमाणु संपन्न राष्ट्र हैं। अगर हमें लगता है कि हम डूब रहे हैं, तो हम आधी दुनिया को अपने साथ ले जाएंगे। पाकिस्तानी सेना प्रमुख के नवीनतम बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारत ने यह स्पष्ट किया कि वह परमाणु ब्लैकमेल के आगे नहीं झुकेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।

परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की पुरानी आदत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक बयान में कहा कि हमारा ध्यान पाकिस्तानी सेना प्रमुख द्वारा अमेरिका की यात्रा के दौरान कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की ओर आकर्षित हुआ है। परमाणु हथियार की धमकी देना पाकिस्तान की आदत है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ऐसी टिप्पणियों में निहित गैर जिम्मेदारी पर अपने निष्कर्ष निकाल सकता है। ऐसे बयान पाकिस्तान में परमाणु कमान और नियंत्रण की अखंडता पर गहरी शंकाओं को और पुष्ट करते हैं, जहां सेना आतंकवादी समूहों के साथ मिली हुई है।"

यूपीएससी 1 अक्टूबर से मनाएगा शताब्दी वर्ष

- सालभर होगा विशेष कार्यक्रमों का आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने पर एक साल तक चलने वाले विशेष कार्यक्रमों और पहलों का आयोजन करेगा। यह शताब्दी वर्ष उत्सव 1 अक्टूबर 2025 से शुरू होकर 1 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। यह फैसला हाल ही में यूपीएससी अध्यक्ष अजय कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

शताब्दी वर्ष के दौरान यूपीएसएसी एक स्मारक लोगो और टैगलाइन जारी करेगा, साथ ही कई नई पहल और सुधार भी शुरू करेगा। आयोग ने अपने कर्मचारियों से सुझाव भी मांगे हैं, ताकि उन्हें इस उत्सव में सक्रिय भागीदार बनाया जा सके।

कई मूल्यवान सुझावों पर पहले ही विचार किया जा रहा है। अजय कुमार ने कहा कि यूपीएसी अपनी स्थापना से ही पारदर्शिता, निष्पक्षता और मेरिट-आधारित चयन का प्रतीक रहा है, जिसने कड़े और निष्पक्ष प्रक्रिया के जरिए वरिष्ठ सरकारी पदों के लिए सबसे योग्य उम्मीदवारों का चयन सुनिश्चित किया है।

उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल जश्न का अवसर नहीं है, बल्कि आत्ममंथन, नवाचार और अगले 100 वर्षों के लिए विजन तय करने का समय भी है।

गौरतलब है कि भारत में लोक सेवा आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर 1926 को भारत सरकार अधिनियम, 1919 के प्रावधानों और ली आयोग (1924) की सिफारिशों के आधार पर हुई थी। 1937 में इसका नाम फेडरल पब्लिक सर्विस कमीशन रखा गया और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने पर इसे संघ लोक सेवा आयोग नाम दिया गया। संविधान के अनुच्छेद 320 के तहत यूपीएससी को सिविल सेवाओं और पदों पर नियुक्त से जुड़े सभी मामलों में परामर्श अनिवार्य है।

आयोग का मुख्य काम संघ सेवाओं में नियुक्तियों के लिए परीक्षाएं आयोजित करना, चयन साक्षात्कार के जरिए सीधी भर्ती करना, पदोन्नति, प्रतिनियुक्ति या अवशोषण के जरिए अधिकारियों की नियुक्ति की देखरेख करना शामिल है।

इसके अलावा, यह विभिन्न सरकारी सेवाओं और पदों के लिए भर्ती नियम बनाता और संशोधित करता है, अनुशासनात्मक मामलों की सुनवाई करता है और राष्ट्रपति द्वारा भेजे गए मामलों पर सलाह देता है।

एनसीआर में पूरे हफ्ते मौसम रहेगा सुहावना

-रिमझिम बारिश के साथ पारे में आएगी गिरावट

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में अगले एक हफ्ते तक मौसम का मिजाज बदला-बदला रहेगा। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के ताजा पूर्वानुमान के मुताबिक 12 अगस्त से लेकर 17 अगस्त तक लगातार बादल छाए रहेंगे और बीच-बीच में रिमझिम बारिश व गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ती रहेंगी।

इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान में भी गिरावट देखने को मिलेगी, जिससे लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार 12 और 13 अगस्त को दिल्ली-एनसीआर में गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। इन दोनों दिनों में अधिकतम तापमान करीब 34 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। नमी का स्तर 55 से 70 प्रतिशत तक रहेगा, जिससे मौसम में हल्की ठंडक का अहसास होगा।

14 अगस्त को आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहेगा और मध्यम बारिश की संभावना है। इस दिन अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस तक रहने की संभावना है। नमी का स्तर 70 से 90 प्रतिशत तक बढ़ने के कारण हल्की ठंडक के साथ उमस भी महसूस की जा सकती है। 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भी मौसम मेहरबान रहेगा।

मौसम विभाग का कहना है कि इस दिन अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। आसमान में घने बादल छाए रहेंगे और गरज-चमक के साथ बारिश होने की संभावना है। हालांकि, विभाग ने किसी तरह की मौसम संबंधी चेतावनी जारी नहीं की है।

वहीं, 16 और 17 अगस्त को भी बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान है। इन दिनों में तापमान में मामूली बढ़ोतरी के साथ अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24-25 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यह बारिश का दौर मानसून की सक्रियता का नतीजा है और अगले एक सप्ताह तक इसका असर पूरे एनसीआर क्षेत्र में देखने को मिलेगा। लगातार हो रही रिमझिम बारिश न सिर्फ गर्मी से राहत देगी बल्कि हवा की गुणवत्ता (एक्यूआई) में भी सुधार ला सकती है।

सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत – दिल्ली-NCR में पुराने वाहनों पर फिलहाल रोक नहीं, अगली सुनवाई 4 हफ्ते बाद

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली-एनसीआर में 10 साल पुराने डीजल और 15 साल पुराने पेट्रोल वाहनों पर लगे प्रतिबंध के आदेश पर अस्थायी रोक लगा दी। अदालत ने साफ किया कि अगली सुनवाई से पहले केवल वाहन की उम्र के आधार पर किसी भी वाहन मालिक के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की तीन सदस्यीय बेंच ने यह आदेश पारित किया। मामले में दिल्ली सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी की।

मेहता ने दलील दी कि कई वाहन मालिक अपने पुराने वाहनों का उपयोग बेहद सीमित रूप से करते हैं—जैसे घर से दफ्तर तक आने-जाने के लिए—जिसमें सालाना मुश्किल से 2000 किलोमीटर की दूरी तय होती है। मौजूदा नियम के तहत ऐसे वाहनों को भी 10 साल (डीजल) या 15 साल (पेट्रोल) पूरे होने पर बेचने या कबाड़ में देने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो व्यावहारिक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने दलीलों को सुनने के बाद यह अंतरिम राहत दी और कहा कि अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। तब तक केवल पुराने होने की वजह से किसी वाहन को जब्त या मालिक पर कार्रवाई नहीं की जाएगी।

इस आदेश से दिल्ली-एनसीआर के हजारों वाहन मालिकों को फिलहाल बड़ी राहत मिली है, हालांकि अंतिम फैसला अगली सुनवाई में ही तय होगा।

क्लाउड सीडिंग द्वारा रामगढ़ झील को पुनर्जीवित कर जल संकट दूर करना ही हमारी प्राथमिकता- डॉ. किरोडीलाल मीणा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा के अथक प्रयास से मंगलवार को जवमारामगढ़ बांध के इलाके में ड्रोन से कृत्रिम बारिश करवाने की कार्यवाही शुरु की गई।

विज्ञान, आधुनिक तकनीक तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के अद्त समन्वय के क्लाउड सीडिंग के माध्यम से करवाई जा रही कृत्रिम वर्षा को देखने के लिए भीड़ अनुमान से अधिक आई। भीड़ को कम करके ड्रोन को उड़ाने का प्रयास भी किया गया परन्तु भीड़ अधिक होने से नेटवर्क जाम हो गया, जिससे जीपीएस सिंगल लॉस होने से ड्रोन ऑटो लैंडिंग मोड में आ जाने के कारण लेंड हो गया। भीड़ कम हो जाने के बाद कृषि मंत्री के सामने ड्रोन द्वारा 400 फीट की हाइट तक डेमो सफलतापूर्वक दिया गया।

कृत्रिम बारिश के लिए वैज्ञानिकों की टीम जयपुर में है जो लगातार अपने स्तर पर ड्रोन से कृत्रिम बारिश का परीक्षण कर रहे हैं। रामगढ़ बांध पर कृत्रिम बारिश के प्रयोग के शुभारंभ पर कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का अयोजन किया गया, जिसने हजारों की तादात में लोगों ने भाग लिया है। डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि इस क्लाउड सीडिंग का मुख्य उद्देश्य रामगढ़ झील को पुनर्जीवित करना, जल संकट को कम करना और क्षेत्र में पारिस्थितिकी तंत्र संतुलन बहाल करना है। यह एक अनुसंधान एवं विकास आधारित पायलट प्रोजेक्ट है, जिसमें आधुनिक ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग तकनीक और एआई का उपयोग कर वर्षा को वैज्ञानिक तरीके से बढ़ावा दिया जायेगा। भारत में पहली बार ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग की जा रही है। इसमें 'हाइड्रो ट्रेस' नाम का एआई पावर्ड प्लेट फॉर्म इस्तेमाल हो रहा है, जो रियल टाइम डेटा, सेटेलाइट इमेजिंग और सेंसर नेटवर्क की मदद से सही समय और सही बादलों को टारगेट करता है। यह 30 दिनों तक चलने वाला पायलट मिशन है। उन्होंने बताया कि ड्रोन बेस्ड क्लाउड सीडिंग में ड्रोन को बादलों के पास भेजा जाता है, जहां यह सोडियम क्लोराइड या अन्य सुरक्षित सीडिंग ऐजेंट्स छोड़ता है। इससे बादलों में मौजूद नमी के कण आपस में मिलकर पानी की बूंदों में बदल जाते हैं और बारिश होती है। यह मिशन 12 अगस्त से शुरु होकर लगभग 60 दिनों तक चलेगा शुरुआती प्रभाव हमें तुरंत बारिश के रूप में दिखेगा, लेकिन लंबे समय में इसका असर झील के जल स्तर, भुमिगत जल भंडार और कृषि उत्पादन पर पड़ेगा।

कृषि मंत्री ने बताया कि यह तकनीक बिल्कुल सुरक्षित है और इसमें इस्तेमाल होने वाले एजेंट्स, बहुत कम मात्रा में और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार प्रयोग किये जाते हैं। यह मानव, पशु तथा फसलों के लिए हानिकारक नहीं हैं। इस पायलट प्रोजेक्ट के दौरान भी पर्यावरणीय प्रभाव का अध्ययन किया जायेगा। डॉ. किरोडीलाल मीणा ने कहा कि यह रामगढ़ में एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरु किया जा रहा है। अगर यह सफल होता है तो हम देश और प्रदेश के अन्य सूखा प्रभावित इलाकों में भी इसे लागू कर सकते हैं, जिससे जल संकट कम होगा और कृषि को स्थायी पानी का स्रोत मिलेगा। इस प्रोजेक्ट द्वारा किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा, फसलों की पैदावार बढ़ेगी और सूखे का असर कम होगा। साथ ही भूमिगत जल भी रिचार्ज होगा जिससे लंबे समय तक फायदा रहेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

ओपन बुक परीक्षा: रटने से समझ की ओर एक बदलाव

ओपन बुक परीक्षा यानी ऐसी परीक्षा जिसमें विद्यार्थी सवाल हल करते समय किताबों, नोट्स और संदर्भ सामग्री का इस्तेमाल कर सकते हैं, पारंपरिक परीक्षा पद्धति से बिल्कुल अलग है। इसका मूल उद्देश्य बच्चों को केवल रटने की आदत से निकालकर, विषय की गहराई में जाकर समझने की दिशा में प्रेरित करना है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए आगामी सत्र से नौवीं कक्षा में इस पद्धति को अपनाने का निर्णय लिया है। इसमें भाषा, गणित, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान जैसे चार प्रमुख विषयों को शामिल किया गया है। पारंपरिक परीक्षा पद्धति में विद्यार्थी अक्सर पाठ्यक्रम को रटकर उत्तर लिखते हैं। इस प्रक्रिया में वे शब्दशः याद कर लेते हैं, लेकिन उसका अर्थ और वास्तविक जीवन में उपयोग की समझ विकसित नहीं हो पाती। परिणामस्वरूप, परीक्षा के बाद उनका सीखा हुआ जल्दी ही भूल जाता है। ओपन बुक परीक्षा इस स्थिति को बदलने का एक प्रयास है। इसमें बच्चे को यह सुविधा मिलती है कि वह सवाल हल करते समय किताब या नोट्स देख सके। लेकिन, इसका अर्थ यह नहीं है कि बच्चा तैयारी किए बिना ही सफल हो जाएगा। दरअसल, इस तरह की परीक्षा में केवल वही विद्यार्थी अच्छे अंक ला सकता है, जिसने विषय को पढ़ते समय उसकी अवधारणाओं को समझा हो और उन्हें लागू करना सीखा हो। ओपन बुक एसेसमेंट के तहत पेन-पेपर टेस्ट में बच्चे को समयबद्ध तरीके से प्रश्न-पत्र हल करना होगा। प्रश्न इस तरह से बनाए जाते हैं कि उनका उत्तर सीधे किताब से नकल करके नहीं लिखा जा सके, बल्कि उन्हें समझकर, विश्लेषण करके और उदाहरण देकर प्रस्तुत करना पड़े। जैसे गणित में केवल सूत्र देखने से सवाल हल नहीं होंगे, जब तक कि विद्यार्थी को उनके प्रयोग का सही तरीका न पता हो। विज्ञान में भी केवल परिभाषा याद कर लेना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि अवधारणा को प्रयोगों और स्थितियों में लागू करने की क्षमता जरूरी होगी। सीबीएसई ने इससे पहले भी करीब एक दशक पहले 'ओपन टेक्स्ट बेस्ड असेसमेंट' (ओटीबीए) की शुरुआत की थी। इसमें नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के कुछ विषयों में विद्यार्थियों को संदर्भ सामग्री परीक्षा से चार माह पहले दे दी जाती थी। विचार यह था कि बच्चे उस सामग्री को समझकर, विश्लेषण करके और विभिन्न दृष्टिकोणों से उसका अध्ययन करें। लेकिन, व्यवहार में कई दिक्कतें आईं। शिक्षक और विद्यार्थी दोनों ने इसे केवल रटने का नया साधन बना लिया और जिस तरह की गहराई से समझने की अपेक्षा थी, वह नहीं बन पाई। परिणामस्वरूप, दो-तीन साल बाद यह प्रणाली बंद कर दी गई। अब नए सिरे से ओपन बुक एसेसमेंट लाने के पीछे यह सोच है कि बदलते समय में पढ़ाई और परीक्षा, दोनों की शैली में सुधार हो। नई शिक्षा नीति यह मानती है कि ज्ञान केवल जानकारी भर नहीं है, बल्कि उसे उपयोग करने की क्षमता भी जरूरी है। आज के दौर में जहां इंटरनेट और तकनीक हर समय जानकारी उपलब्ध कराती है, वहां यह ज्यादा अहम हो जाता है कि विद्यार्थी उस जानकारी को कैसे इस्तेमाल करे।

अलास्का वार्ता: ट्रंप-पुतिन की ऐतिहासिक मुलाकात से क्या बदलेगा युद्ध का समीकरण?

-शांति या शक्ति संतुलन? अलास्का में ट्रंप-पुतिन की रणनीतिक जंग

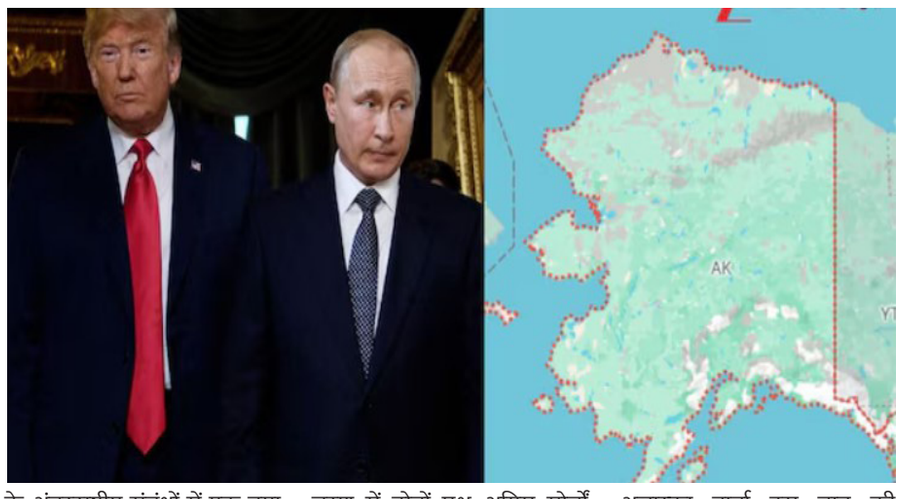

पिछले तीन वर्षों से यूरेशिया का बड़ा हिस्सा, विशेष रूप से यूक्रेन, रूस-यूक्रेन युद्ध की लपटों में झुलस रहा है। 24 फरवरी 2022 को रूस द्वारा यूक्रेन पर सैन्य कार्रवाई शुरू करने के बाद से, लाखों लोगों का जीवन बदल गया, हज़ारों नागरिक और सैनिक मारे गए, और करोड़ों विस्थापित हुए।

इस दौरान अनेक बार शांति वार्ताओं की कोशिशें हुईं — कभी तुर्की के इस्तांबुल में, कभी बेलारूस में, तो कभी ऑनलाइन माध्यम से — लेकिन कोई भी स्थायी परिणाम नहीं निकला। अब एक बार फिर वैश्विक कूटनीति के मंच पर एक नई उम्मीद जगी है — अलास्का वार्ता। यह वार्ता इसलिए खास है क्योंकि इसमें सीधे तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आमने-सामने बैठेंगे। लेकिन इसमें सबसे बड़ा विवाद यह है कि यूक्रेन को इसमें शामिल नहीं किया गया है।

अलास्का वार्ता का पृष्ठभूमि

अलास्का वार्ता का विचार पिछले कुछ महीनों में ट्रंप प्रशासन के भीतर पनपा। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के पहले वर्ष से ही रूस के साथ संबंध सुधारने की इच्छा जताई थी, हालांकि उस समय घरेलू राजनीति में "रूस-ट्रंप संबंध" एक विवादास्पद मुद्दा था। अब, दोबारा राष्ट्रपति बनने के बाद, ट्रंप का मानना है कि वे पुतिन को सीधे वार्ता में ला सकते हैं और युद्ध समाप्त करने की दिशा में ठोस कदम उठा सकते हैं।

अलास्का को स्थल के रूप में चुनने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं— भौगोलिक महत्व – अलास्का अमेरिका और रूस के बीच सबसे नज़दीकी बिंदु है, जो दोनों देशों के बीच 'तटस्थ' मुलाकात का प्रतीक बन सकता है। ऐतिहासिक प्रतीक – 1867 में अमेरिका ने अलास्का को रूस से खरीदा था। इस ऐतिहासिक तथ्य के कारण यह जगह "दोनों देशों के रिश्तों की शुरुआत" का प्रतीक भी बन सकती है। सुरक्षा और नियंत्रण – अमेरिकी धरती पर वार्ता होने से ट्रंप प्रशासन को सुरक्षा और मीडिया प्रबंधन पर पूरी पकड़ मिलती है।

यूक्रेन की गैर-मौजूदगी: विवाद और निहितार्थ

अलास्का वार्ता की सबसे बड़ी आलोचना यह है कि इसमें यूक्रेन को आधिकारिक तौर पर आमंत्रित नहीं किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पहले ही कहा है कि बिना उनकी सहमति के कोई भी शांति समझौता "ग़ैर-क़ानूनी और अस्वीकार्य" होगा।

संभावित निहितार्थ:

यूक्रेन की नाराज़गी – यह कदम कीव और वाशिंगटन के बीच तनाव पैदा कर सकता है। रूस को बढ़त – यदि वार्ता केवल अमेरिका और रूस के बीच होती है, तो पुतिन को "शर्तें तय करने" का बड़ा मौका मिलेगा। यूरोप की बेचैनी – यूरोपीय संघ, जो यूक्रेन का सबसे बड़ा समर्थनकर्ता है, इस वार्ता को अपनी रणनीति से अलग रास्ता मान सकता है।

ट्रंप की रणनीति: डीलमेकिंग या दबाव की राजनीति?

डॉनल्ड ट्रंप खुद को "मास्टर डीलमेकर" के रूप में पेश करते हैं। उनका मानना है कि व्यक्तिगत मुलाकातों, सीधी बातचीत और आर्थिक दबाव के जरिए जटिल अंतरराष्ट्रीय संकटों को हल किया जा सकता है।

ट्रंप का दृष्टिकोण पारंपरिक अमेरिकी कूटनीति से अलग है — वे लंबी वार्ताओं और बहुपक्षीय समझौतों की बजाय सीधे सौदे पर ध्यान देते हैं।

संभावित ट्रंप रणनीतियाँ:

प्रतिबंधों में ढील का वादा – अगर रूस युद्धविराम पर सहमत होता है, तो उस पर लगे कुछ आर्थिक प्रतिबंध हटाए जा सकते हैं। नाटो विस्तार पर रोक – रूस की सबसे बड़ी सुरक्षा चिंता यही है कि नाटो उसके दरवाजे तक पहुँच रहा है। ट्रंप इस पर किसी समझौते का संकेत दे सकते हैं। आर्थिक प्रोत्साहन – अमेरिका और यूरोप में रूस के जमे हुए अरबों डॉलर के संपत्ति फ्रीज़ को धीरे-धीरे हटाने का वादा।

पुतिन की संभावित मांगें

व्लादिमीर पुतिन के लिए अलास्का वार्ता एक अवसर है कि वे युद्ध में हासिल लाभ को "वैध" करवा लें। उनकी संभावित मांगें हो सकती हैं: यूक्रेन के पूर्वी हिस्सों और क्रीमिया पर रूस की संप्रभुता को मान्यता। यूक्रेन की नाटो सदस्यता पर स्थायी रोक। रूस पर लगे प्रमुख आर्थिक प्रतिबंधों का हटना।

शांति की संभावना और मुश्किलें

यद्यपि यह वार्ता आशा की किरण जगाती है, लेकिन इसमें कई कठिनाइयाँ हैं—

विश्वास की कमी – अमेरिका और रूस के बीच लंबे समय से अविश्वास बना हुआ है।

मैदान पर युद्ध जारी – बातचीत के दौरान भी मोर्चों पर लड़ाई चल रही होगी।

तीसरे पक्ष की अनदेखी – यूक्रेन, यूरोपीय संघ, और नाटो की भूमिका को नज़रअंदाज़ करना समाधान को अस्थायी बना सकता है।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

यूरोपीय संघ – यह वार्ता उन्हें बाहर किए जाने के कारण असहज कर सकती है। चीन – बीजिंग इस वार्ता को ध्यान से देखेगा, क्योंकि इससे अमेरिका-रूस समीकरण बदल सकते हैं, जो इंडो-पैसिफिक में चीन की रणनीति को प्रभावित करेगा। भारत – नई दिल्ली के लिए यह अवसर है कि वह अपने संतुलित रुख के जरिए दोनों पक्षों से संबंध मजबूत करे।

इतिहास रचने का मौका, लेकिन शर्तें कठिन

अलास्का वार्ता एक ऐसा क्षण हो सकता है जो रूस-यूक्रेन युद्ध की दिशा बदल दे और दुनिया को लंबे समय से प्रतीक्षित शांति की ओर ले जाए। लेकिन यूक्रेन की अनुपस्थिति, परस्पर अविश्वास और भू-राजनीतिक जटिलताओं के कारण यह राह बेहद कठिन है। अगर ट्रंप और पुतिन कोई ठोस समझौता कर पाते हैं, तो यह न केवल उनके राजनीतिक करियर के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि होगी, बल्कि 21वीं सदी के अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक नया अध्याय भी खोलेगी। हालांकि, अगर यह वार्ता विफल रही, तो यह साबित कर देगी कि बिना सभी हितधारकों को शामिल किए शांति संभव नहीं है।

अमेरिका और रूस (पूर्व सोवियत संघ) के बीच सीधे वार्ता की लंबी और जटिल परंपरा रही है। शीत युद्ध काल में कई शिखर बैठकें हुईं — जैसे 1985 की जेनेवा समिट (रीगन-गॉर्बाचेव) और 1986 की रेक्जाविक बैठक — जिन्होंने परमाणु हथियार नियंत्रण के लिए रास्ता खोला। पोस्ट-कोल्ड वॉर दौर में बिल क्लिंटन और बोरिस येल्त्सिन की बैठकों से आर्थिक व राजनीतिक सहयोग बढ़ाने की कोशिश हुई, लेकिन 1999 में नाटो का यूगोस्लाविया पर बमबारी करना रिश्तों में खटास ले आया। 2018 में हेलसिंकी में ट्रंप और पुतिन की मुलाकात विवादों में घिरी रही, क्योंकि अमेरिकी मीडिया ने ट्रंप पर रूस के प्रति "अत्यधिक नरम" होने के आरोप लगाए। इन उदाहरणों से स्पष्ट है कि अमेरिका-रूस वार्ताएँ अक्सर ऐतिहासिक मोड़ देती हैं, लेकिन उनके परिणाम स्थायी तभी होते हैं जब सभी प्रमुख हितधारकों को शामिल किया जाए।

अलास्का वार्ता के संभावित चरण

विशेषज्ञ मानते हैं कि अलास्का वार्ता को सफल बनाने के लिए इसे तीन चरणों में आगे बढ़ाना होगा— युद्धविराम की घोषणा – पहले चरण में दोनों पक्ष अग्रिम मोर्चों पर गोलाबारी रोकने और मानवीय गलियारे खोलने पर सहमत हो सकते हैं। सीमा विवाद पर ढांचा – रूस-यूक्रेन के बीच विवादित क्षेत्रों (डोनेट्स्क, लुहान्स्क, क्रीमिया) के लिए लंबी अवधि का समाधान खोजने की कोशिश। आर्थिक पुनर्निर्माण पैकेज – अमेरिका, यूरोप और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भागीदारी से युद्ध-प्रभावित क्षेत्रों के पुनर्निर्माण के लिए धन और तकनीकी सहायता।

भविष्य के संभावित परिदृश्य

सफल वार्ता का परिणाम:

रूस और यूक्रेन के बीच सीमित शांति समझौता, जिसमें रूस कुछ क्षेत्रों पर नियंत्रण बनाए रखे लेकिन शेष यूक्रेन को स्वतंत्र और नाटो से बाहर रहने की गारंटी दी जाए। अमेरिका और रूस के बीच प्रतिबंधों में आंशिक ढील और ऊर्जा व्यापार में सुधार।

आंशिक सफलता:

केवल युद्धविराम लागू हो, लेकिन राजनीतिक समाधान टल जाए। यह स्थिति अस्थायी राहत देगी लेकिन लंबे समय में युद्ध फिर भड़क सकता है।

विफलता:

यदि पुतिन और ट्रंप अपने-अपने न्यूनतम लक्ष्यों पर भी सहमत नहीं हो पाते, तो वार्ता टूट सकती है। इससे अमेरिका-रूस तनाव और बढ़ेगा और यूक्रेन में संघर्ष तेज हो सकता है।

वैश्विक कूटनीति के लिए सबक

अलास्का वार्ता इस बात की परीक्षा है कि क्या 21वीं सदी में दो महाशक्तियाँ आपसी टकराव को बातचीत से सुलझा सकती हैं, या फिर दुनिया को फिर से लंबे भू-राजनीतिक टकराव का सामना करना पड़ेगा।

सबसे अहम सबक यह हो सकता है कि किसी भी शांति प्रक्रिया में "मूल पक्षकार" को बाहर रखना अंततः अस्थिरता ही लाएगा। अलास्का वार्ता" नई उम्मीद के रूप में सामने आई है, जिसमें अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आमने-सामने मिलेंगे। इसका सबसे विवादास्पद पहलू है — यूक्रेन की गैर-मौजूदगी। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने साफ कहा है कि बिना उनकी सहमति का कोई भी समझौता अस्वीकार्य होगा। अलास्का को वार्ता स्थल चुनने के पीछे भौगोलिक निकटता, ऐतिहासिक महत्व और अमेरिकी नियंत्रण जैसे कारण हैं। ट्रंप का दृष्टिकोण पारंपरिक अमेरिकी कूटनीति से अलग है — वे सीधे सौदे, आर्थिक प्रलोभन और दबाव की राजनीति को प्राथमिकता देते हैं। संभावित रणनीतियों में रूस पर लगे प्रतिबंधों में ढील, नाटो विस्तार पर रोक और आर्थिक प्रोत्साहन शामिल हो सकते हैं। पुतिन के लिए यह वार्ता यूक्रेन के कुछ हिस्सों पर रूसी संप्रभुता की मान्यता और प्रतिबंध हटवाने का अवसर हो सकती है।

सोशल मीडिया और डूमस्क्रॉलिंग: मानसिक शांति के लिए परंपरागत सामाजिकता की वापसी

-सोशल मीडिया का मानसिक स्वास्थ्य पर असर

आज के डिजिटल युग में मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया का प्रभाव हमारे जीवन के हर पहलू में गहराई तक पहुंच चुका है। सुबह आंख खुलते ही और रात को सोने से पहले जो पहली और आखिरी चीज़ हमारे हाथ में होती है, वह अक्सर हमारा स्मार्टफोन होता है। इस पर चलने वाले सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म — फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर (अब X), व्हाट्सऐप, यूट्यूब — हमारे दिनचर्या के अनिवार्य हिस्से बन गए हैं।

लेकिन इस डिजिटल दोस्ती ने एक नया खतरा भी जन्म दिया है — डूमस्क्रॉलिंग। यह वह आदत है जिसमें हम लगातार सोशल मीडिया फ़ीड को स्क्रॉल करते रहते हैं, अक्सर नकारात्मक, भयावह या तनावपूर्ण ख़बरें पढ़ते हुए, जिससे मानसिक शांति भंग होती है। कोरोना महामारी ने इस प्रवृत्ति को और बढ़ावा दिया। लॉकडाउन, सामाजिक दूरी और घर में कैद रहने की मजबूरी ने हमें स्क्रीन पर और भी अधिक निर्भर बना दिया। धीरे-धीरे, यह आदत सिर्फ़ समय की बर्बादी नहीं रही, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा बन गई।

डूमस्क्रॉलिंग क्या है?

डूमस्क्रॉलिंग का शाब्दिक अर्थ है — नकारात्मक या तनावपूर्ण समाचार और पोस्ट को लगातार स्क्रॉल करते रहना। यह प्रक्रिया इतनी लत जैसी हो जाती है कि हम समय का अंदाज़ा ही नहीं लगा पाते।

उदाहरण के लिए, कोरोना काल में लोग लगातार संक्रमितों की संख्या, मौतों के आंकड़े, अस्पतालों की स्थिति जैसी भयावह ख़बरें पढ़ते रहे। आज भी यही आदत युद्ध, अपराध, प्राकृतिक आपदाओं और विवादित राजनीतिक खबरों पर लागू हो रही है।

डूमस्क्रॉलिंग का असर कुछ इस तरह से दिखता है:

नींद में कमी – रात को सोने से पहले फ़ोन स्क्रॉल करना नींद की गुणवत्ता घटा देता है।

चिंता और तनाव – नकारात्मक समाचार मानसिक बोझ बढ़ाते हैं।

उत्पादकता में गिरावट – समय बर्बाद होने से पढ़ाई, काम और व्यक्तिगत जीवन प्रभावित होते हैं।

सामाजिक अलगाव – वास्तविक रिश्तों से दूरी बढ़ती है।

सोशल मीडिया का मनोवैज्ञानिक प्रभाव

सोशल मीडिया को शुरुआत में जोड़ने, बातचीत करने और मनोरंजन के साधन के रूप में देखा गया था। लेकिन धीरे-धीरे यह एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म बन गया जहां तुलना, दिखावा और लाइक्स-फॉलोअर्स की होड़ बढ़ने लगी।

तुलना की मानसिकता

दूसरों के सुंदर पलों, उपलब्धियों और लग्ज़री लाइफ़स्टाइल को देखकर लोग अपनी ज़िंदगी को कमतर समझने लगते हैं। यह अवसाद और आत्मग्लानि का कारण बन सकता है।

त्वरित संतुष्टि की आदत

लाइक्स, कमेंट और शेयर मिलने से मस्तिष्क में डोपामिन का स्तर बढ़ता है, जो अस्थायी खुशी देता है। लेकिन यह खुशी अल्पकालिक होती है, और जब प्रतिक्रिया कम मिलती है, तो निराशा बढ़ती है।

गलत सूचना और अफवाहें

सोशल मीडिया पर फेक न्यूज़, भ्रामक सूचनाएं और अफवाहें बहुत तेजी से फैलती हैं, जिससे समाज में भ्रम और तनाव पैदा होता है।

परंपरागत सामाजिकता का महत्व

डिजिटल युग में हम भूलते जा रहे हैं कि इंसान स्वभाव से सामाजिक प्राणी है। स्क्रीन पर बातचीत कभी भी आमने-सामने की बातचीत का विकल्प नहीं हो सकती। परंपरागत सामाजिकता यानी सीधे मिलना-जुलना, परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताना, सामूहिक गतिविधियों में भाग लेना — यह मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए बेहद ज़रूरी है। जब हम किसी के साथ प्रत्यक्ष मिलते हैं, तो चेहरे के हाव-भाव, आवाज़ का उतार-चढ़ाव और स्पर्श जैसे तत्व रिश्तों को गहरा बनाते हैं। दोस्तों और परिवार के साथ हंसी-मजाक, बातचीत और सहयोग तनाव को कम करता है। कठिन समय में पड़ोसी, रिश्तेदार और स्थानीय समाज मदद के लिए आगे आते हैं — जो ऑनलाइन दुनिया में मुश्किल है।

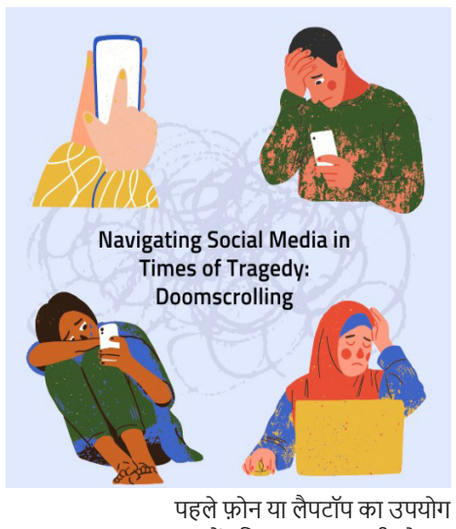

कोरोना महामारी और डूमस्क्रॉलिंग का विस्फोट

कोविड-19 महामारी के दौरान लोगों के पास एक ही खिड़की थी — उनका मोबाइल और इंटरनेट। सोशल मीडिया पर दिनभर महामारी के आंकड़े, डरावनी तस्वीरें, ऑक्सीजन संकट, वैक्सीन विवाद और अनिश्चितता की खबरें छाई रहती थीं। लोग जानकारी पाने के लिए स्क्रॉल करते थे, लेकिन अनजाने में मानसिक बोझ और बढ़ा लेते थे। उस दौर की तीन बड़ी सीखें — सिर्फ़ ज़रूरी जानकारी ही लें, अति-जानकारी से बचें। समय-समय पर सोशल मीडिया डिटॉक्स करें। वास्तविक दुनिया के रिश्तों को बनाए रखें।

डिजिटल डिटॉक्स — समय की ज़रूरत

यदि हम सोशल मीडिया और डूमस्क्रॉलिंग के प्रभाव को कम करना चाहते हैं, तो डिजिटल डिटॉक्स यानी डिजिटल उपकरणों से समय-समय पर दूरी बनाना जरूरी है। डिजिटल डिटॉक्स के आसान तरीके: नोटिफिकेशन बंद करें – बेवजह के अलर्ट से ध्यान भटकता है। सोने से पहले स्क्रीन फ्री टाइम – कम से कम 1 घंटा पहले फ़ोन या लैपटॉप का उपयोग न करें। नियत समय पर ही सोशल मीडिया देखें – दिनभर बार-बार चेक करने से बचें। ऑफ़लाइन गतिविधियों में हिस्सा लें – खेल, किताब पढ़ना, बागवानी, खाना बनाना। परिवार और दोस्तों से मुलाकात बढ़ाएं – ऑनलाइन चैट की जगह आमने-सामने बातचीत करें।

सोशल मीडिया का संतुलित उपयोग

सोशल मीडिया को पूरी तरह छोड़ना जरूरी नहीं, लेकिन इसका उपयोग संतुलित और उद्देश्यपूर्ण होना चाहिए। ज्ञान, शिक्षा और रचनात्मक कार्यों के लिए इसका उपयोग बढ़ाएं। बेकार की बहस, नकारात्मक समाचार और फेक कंटेंट से दूरी बनाएं। समय की सीमा तय करें — जैसे रोज़ाना 30-45 मिनट।

परंपरागत सामाजिकता को पुनर्जीवित करने के सुझाव सामाजिक समारोहों में भाग लें – शादी, त्योहार, मेले, खेलकूद। स्थानीय समूह बनाएं – मोहल्ला बैठक, पुस्तक क्लब, सेवा संगठन। परिवार के साथ भोजन का समय तय करें – बिना मोबाइल के साथ बैठकर खाना खाएं। बच्चों को आउटडोर गेम्स के लिए प्रोत्साहित करें – ताकि वे वास्तविक सामाजिक कौशल सीख सकें।

मौलवी अहमदुल्लाह शाह: फैज़ाबाद के शेर और 1857 की पहली आज़ादी की जंग के बेमिसाल सिपहसालार

-1857 की क्रांति और मौलवी अहमदुल्लाह शाह का स्थान

भारत का स्वतंत्रता संग्राम किसी एक दिन का परिणाम नहीं था, बल्कि यह सदियों की गुलामी, अन्याय और शोषण के खिलाफ एक लम्बा संघर्ष था। 1857 की पहली आज़ादी की जंग इस संघर्ष का वह विस्फोट था, जिसने पूरे देश में अंग्रेज़ी हुकूमत की नींव हिला दी। इस महान क्रांति में जिन सिपहसालारों ने अपना सब कुछ न्यौछावर कर दिया, उनमें मौलवी अहमदुल्लाह शाह का नाम बेहद सम्मान और गर्व से लिया जाता है। उन्हें लोग "फैज़ाबाद का शेर" कहते थे। उनके साहस, संगठन क्षमता, और ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ विद्रोह ने उन्हें स्वतंत्रता संग्राम के अमर सेनानियों में अमर कर दिया।

जन्म और प्रारंभिक जीवन

मौलवी अहमदुल्लाह शाह का जन्म लगभग 1787 ईस्वी में उत्तर प्रदेश के फ़ैज़ाबाद (कुछ इतिहासकार हैदराबाद को भी जन्मस्थान मानते हैं) में हुआ था। वे बचपन से ही तेजस्वी, विद्वान और धार्मिक विचारों वाले थे। कुरआन, हदीस और फ़िक़्ह की शिक्षा के साथ-साथ उन्होंने युद्धकला, घुड़सवारी और हथियार चलाने की पूरी ट्रेनिंग ली। उनका व्यक्तित्व असाधारण था — ऊँचा कद, दमदार आवाज़, तेज़ निगाहें और प्रभावशाली व्यक्तित्व। वे न केवल एक मौलवी थे बल्कि एक बेहतरीन योद्धा, रणनीतिकार और ओजस्वी वक्ता भी थे।

विद्रोह के बीज

ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अत्याचार, भारतीयों के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप, ज़मीनों की नीलामी, और सिपाहियों के साथ भेदभाव ने पूरे देश में गुस्से की चिंगारी जगा दी थी। मौलवी अहमदुल्लाह शाह भी इन नीतियों के कट्टर विरोधी थे। उन्होंने मस्जिदों और इकट्ठ की जगहों पर भाषण देकर लोगों को अंग्रेज़ी हुकूमत के खिलाफ जागरूक करना शुरू किया। ब्रिटिश प्रशासन ने उनकी बढ़ती लोकप्रियता को खतरे के रूप में देखा और कई बार उन्हें गिरफ्तार किया, लेकिन जनता में उनके प्रति इतना सम्मान था कि लोग उन्हें छुड़ाने के लिए आगे आ जाते।

1857 की क्रांति में भूमिका

जब 10 मई 1857 को मेरठ में सिपाही विद्रोह की चिंगारी भड़की, तो मौलवी अहमदुल्लाह शाह पहले से ही मानसिक और रणनीतिक रूप से तैयार थे। वे फ़ैज़ाबाद से निकलकर अवध और आसपास के क्षेत्रों में क्रांतिकारियों को संगठित करने लगे। अवध में संगठन – उन्होंने फैज़ाबाद, शाहजहांपुर, बाराबंकी, और सुल्तानपुर के विद्रोहियों को एकजुट किया। धार्मिक और राष्ट्रीय एकता – उन्होंने हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों को अंग्रेज़ों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने का संदेश दिया। उनके भाषणों में अक्सर कुरआनी आयतें और रामायण के उद्धरण, दोनों शामिल होते थे, जिससे सभी वर्ग के लोग उनसे जुड़ जाते थे। लखनऊ का विद्रोह – उन्होंने बेगम हज़रत महल और बिरजिस क़द्र के साथ मिलकर लखनऊ में अंग्रेज़ों को कड़ी टक्कर दी। वे न सिर्फ युद्धभूमि में लड़ते थे, बल्कि रणनीति बनाने में भी माहिर थे।

फैज़ाबाद का शेर

मौलवी अहमदुल्लाह शाह को "फैज़ाबाद का शेर" कहने के पीछे कई कारण थे। अंग्रेज़ अधिकारी भी मानते थे कि वह अकेले एक रेजिमेंट के बराबर साहस रखते थे। वे युद्ध में बेजोड़ घुड़सवार थे और तलवारबाज़ी में माहिर थे। उनकी फौज के लोग उन्हें "ग़ाज़ी-ए-मिल्लत" कहते थे। फ़ैज़ाबाद के मोर्चों पर उन्होंने अंग्रेज़ी फौज को कई बार पीछे हटने पर मजबूर कर दिया। अंग्रेज़ों ने उन्हें पकड़ने या मारने पर 50,000 रुपये का इनाम घोषित किया, जो उस समय बहुत बड़ी रकम थी।

रणनीतिक कौशल

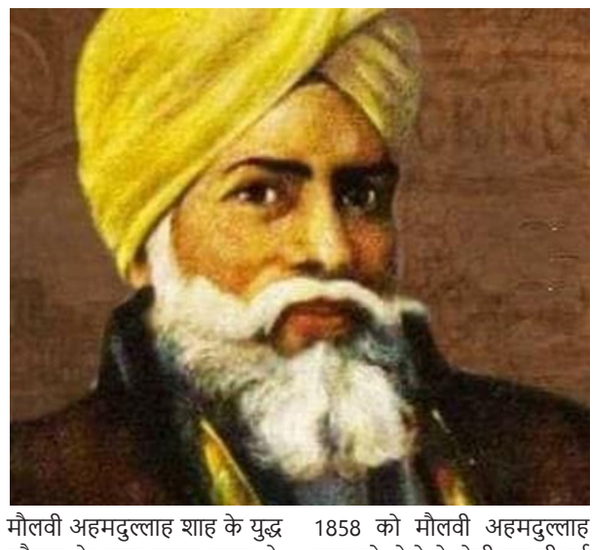

मौलवी अहमदुल्लाह शाह के युद्ध कौशल के कुछ प्रमुख पहलू थे: गुरिल्ला युद्ध – वे अचानक हमला करके दुश्मन को भारी नुकसान पहुंचाते और फिर सुरक्षित इलाके में लौट जाते। स्थानीय भूगोल का उपयोग – उन्होंने नदियों, जंगलों और किलों का इस्तेमाल युद्ध रणनीति में किया। जनसमर्थन – गांव-गांव जाकर समर्थन जुटाना और लोगों को अपने मिशन से जोड़ना उनकी सबसे बड़ी ताकत थी।

अंग्रेज़ों के साथ संघर्ष

1857-58 के दौरान उन्होंने कई मोर्चों पर अंग्रेज़ों को चुनौती दी: शाहजहांपुर – यहां उन्होंने अंग्रेज़ों को कड़ी टक्कर दी। ओudh और रोहिलखंड – इन इलाकों में उनका प्रभाव इतना था कि अंग्रेज़ अधिकारी बिना बड़ी फौज के नहीं जा सकते थे। लखनऊ – बेगम हज़रत महल के साथ उन्होंने अंग्रेज़ों के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाया।

विश्वासघात और शहादत

अंग्रेज़ मौलवी अहमदुल्लाह शाह को खुली लड़ाई में हरा नहीं सके, इसलिए उन्होंने साज़िश का रास्ता अपनाया। जून 1858 में शाहजहांपुर के राजा जगन्नाथ सिंह के यहां उन्होंने शरण ली, लेकिन राजा ने अंग्रेज़ों से समझौते के लिए विश्वासघात कर दिया। 5 जून 1858 को मौलवी अहमदुल्लाह शाह को धोखे से गोली मार दी गई और उनका सिर काटकर अंग्रेज़ों को सौंप दिया गया। अंग्रेज़ों ने उनका कटा हुआ सिर लखनऊ के कोतवाली चौक पर लटका दिया, ताकि लोगों के दिलों में डर पैदा हो। लेकिन इसके उलट, उनकी शहादत ने विद्रोहियों के हौसले को और मज़बूत कर दिया।

व्यक्तित्व और विचारधारा

मौलवी अहमदुल्लाह शाह न केवल योद्धा थे, बल्कि एक गहरे विचारक और जननेता भी थे। वे धार्मिक सहिष्णुता के प्रतीक थे। उन्होंने हमेशा हिंदू-मुस्लिम एकता पर ज़ोर दिया। वे अंग्रेज़ी सत्ता को सिर्फ एक राजनीतिक खतरा नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति के लिए खतरा मानते थे।

ऐतिहासिक महत्व

1857 का विद्रोह भले ही तत्कालीन रूप में सफल नहीं हुआ, लेकिन इसने आने वाली पीढ़ियों को आज़ादी की लड़ाई के लिए प्रेरित किया। मौलवी अहमदुल्लाह शाह का योगदान इस आंदोलन की रीढ़ था। उन्होंने साबित किया कि धर्म, जाति और क्षेत्र की दीवारें तोड़कर एक साझा लक्ष्य के लिए लड़ा जा सकता है। वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहले संगठित और सुसंगत प्रतिरोध के प्रतीक थे।

सत्ता के लालची लोगों ने तुष्टिकरण और स्वार्थ की राजनीति के चलते किया विभाजन- भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी जयपुर शहर की ओर से विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस संगोष्ठी बिडला आडिटोरियम में आयोजित की गई। संगोष्ठी को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विभाजन को दुनिया की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदी बताते हुए कहा कि आजादी से ठीक पहले 10 लाख लोगों की हत्या हुई, लाखों परिवार उजड़ गए। देश की आजादी के लिए महान पुरुषों ने खुद को समर्पित किया, लेकिन सत्ता का लालच और तुष्टिकरण की राजनीति ने देश को बांट दिया। जिन लोगों ने हमेशा स्वार्थ की राजनीति की, लालच की राजनीति की उन लोगों के कारण हमारे देश के हिन्दओं को विभाजन का दंश झेलना पड़ा। "पाकिस्तान से जो ट्रेनें आती थीं, वे लाशों से भरी होती थीं। यह विभाजन की भयावहता को दर्शाया है। उन्होंने कहा कि यह केवल भूतकाल की पीड़ा नहीं है, बल्कि आज भी पाकिस्तान में रहने वाले हिंदुओं के साथ अन्याय हो रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित होकर आने वालों को नागरिकता देने का दायित्व जिनकी सरकारों पर था, वे असफल रहीं। नागरिकता देना तो दूर इन सत्ता के लालचियों ने बिल बनाकर उनकी संपत्ति का कोई मुआवजा तक देने से इनकार कर दिया। जिस कांग्रेस ने सत्ता सुख के लिए लाखों लोगों की कुर्बानी कर दी थी, आज वहीं कांग्रेस हमें एकता का पाठ पढ़ा रही है। जिस कांग्रेस ने इस देश का बांटा, वो कभी देश संभाल नहीं सकती, जिसने इस देश को तोड़ा वो लोगों को कभी जोड़ नहीं सकती। ऐसे आस्तिन के सांपों को मुंह उठाने से पहले ही कुचल देना चाहिए। आजादी के कई दशकों बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने यह जिम्मेदारी निभाई है और पीड़ितों को नागरिकता देने की प्रक्रिया को पूरा किया। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों ने विभाजन के समय लाखों शरणार्थियों की सेवा की।

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस कार्यक्रम के प्रदेश संयोजक अशोक परनामी ने कहा कि 1947 में देश के विभाजन के समय पाकिस्तान से भारत आए लोगों ने जो कष्ट झेले, उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करना, बेटियों के साथ अन्याय और अत्याचार करना, विस्थापितों की पीड़ा सुनकर आज भी रूह कांप जाती है। परनामी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम को पास करवा कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का कार्य किया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यह दिवस राजनीतिक लाभ के लिए नहीं, बल्कि इतिहास की सच्चाई को जन-जन तक पहुंचाने और उस त्रासदी से सीख लेने के लिए मनाया जा रहा है।

परनामी ने विभाजन के लिए कांग्रेस और गांधी परिवार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि यह "मजबूरी" नहीं बल्कि सत्ता का लोभ और कांग्रेस की मंजूरी का परिणाम था। यदि सत्ता सरदार वल्लभ भाई पटेल के हाथों में होती, तो देश का विभाजन टल सकता था। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर पाकिस्तान से आने वाले हिंदुओं को संपत्ति मुआवजा न देने का भी आरोप लगाया। परनामी ने कहा कि "पाक से आने वाला प्रत्येक हिन्द शरणार्थी नहीं, पुरुषार्थी है। उन्होंने पीएम मोदी को धन्यवाद दिया कि जिन्होंने विभाजन की पीड़ा को इतिहास के काले पन्नों से निकाल कर देश के सामने रखने के लिए 15 अगस्त से एक दिन पहले 14 अगस्त को देशभर में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने का ऐतिहासिक फैसला लिया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, डॉ प्रेमचंद बैरवा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वित्त आयोग के अध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, सरकार के मंत्री जवाहर सिंह बेढम, जोगाराम पटेल, गौतम दक, केके विश्नोई,विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बाल मुकुंदाचार्य महाराज, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, नाहर सिंह जोधा, सरदार अजयपाल सिंह, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, प्रदेश मंत्री एवं कार्यक्रम प्रदेश सह संयोजक भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला,अजीत मांडण, स्टेफी चौहान, मिथलेश गौतम, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, पूर्व कृषि राज्यमंत्री कैलाश चौधरी, भाजपा जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर सौम्या गुर्जर, कुसुम यादव, जयपुर शहर कार्यक्रम संयोजक राजेश ताम्बी, सह प्रभारी जयपुर शहर नरेश बंसल और भाजपा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे। मंच संचालन पूर्व विधायक एवं कार्यक्रम प्रदेश सह संयोजक रामलाल शर्मा ने किया।

निगम अधिकारी सफाई व्यवस्था को रखें प्राथमिकता पर

-वर्ष भर युद्ध स्तर पर चले सफाई अभियान - शासन सचिव रवि जैन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने मंगलवार को नगर निगम हेरिटेज जयपुर के मुख्यालय में निगम अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस दौरान शासन सचिव रवि ने संपर्क पोर्टल और अन्य ऑनलाइन पोर्टल पर पेंडिंग कार्यों के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं समीक्षा बैठक के दौरान जैन ने कहा कि सफाई व्यवस्था हमारी प्राथमिकता में होनी चाहिए, जिस तरह हम स्वच्छता सर्वेक्षण के दौरान गंदगी हटाने और सफाई में विशेष फोकस रखते है, ऐसा ही जज्बा सालभर होना चाहिए। युद्धस्तर पर लगातार सफाई अभियान चलाया जाना चाहिए। समीक्षा बैठक से पहले नगर निगम हेरिटेज आयुक्त डॉ. निधि पटेल ने स्वायत्त शासन सचिव रवि जैन का स्वागत किया और निगम की ओर किए जा रहे कार्यों से अवगत भी कराया।

एक भी पट्टा ऑफलाइन जारी नहीं हो, जोन उपायुक्त त्वरित गति से सभी आवेदन पत्र को करें ऑनलाइन - जैन

हेरिटेज निगम में पेंडिंग चल रही पट्टा फाइलों को लेकर जैन ने निर्देश दिए कि अब एक भी पट्टा ऑफलाइन जारी नहीं होना चाहिए। इस विषय में उन्होंने सभी जोन उपायुक्त और लैंड शाखा उपायुक्त की जिम्मेदारी तय करते हुए कहा कि जोन स्तर पर पट्टा संबंधी जितनी भी ऑफलाइन फाइलें है, उन्हें तुरंत प्रभाव से ऑनलाइन किया जाएं। साथ ही आवेदक से भी संपर्क पर ऑनलाइन की दस्तावेज जमा करने के लिए कहा जाएं। जैन ने स्पष्ट शब्दों में निर्देश दिए कि सरकारी जमीन या भूमि पर पट्टा संबंधी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सड़क पर विचरण कर रहे आवारा पशुओं को गंभीरता से लें, त्वरित एक्शन की जरूरत - शासन सचिव रवि जैन

वहीं, समीक्षा बैठक के दौरान रवि जैन ने सड़क पर विचरण कर रहे आवारा पशुओं के नियंत्रण को लेकर ठोस प्लानिंग बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परकोटे में ये समस्या ज्यादा है। बेसहारा गाय सड़क पार विचरण करती रहती है। अवैध डेयरियों की शिकायतें भी है। निगम की पशु प्रबंधन शाखा इसे गंभीरता से लें और सख्त एक्शन लें। वहीं शासन सचिव श्री रवि जैन ने विद्यत शिकायत, सफाई व्यवस्था और अस्थाई अतिक्रमण की शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

कचरे का ढेर ना बनें, इसके लिए लगातार की जाएं निगरानी, कचरा फेंकने वाले का किया जाएं सख्त चालान

इस दौरान शासन सचिव जैन ने सफाई व्यवस्था पर विशेष फोकस करते हुए कहा कि सड़क पर बन रहे कचरा डिपो की लगातार निगरानी होनी चाहिए। जिससे कि कचरे का ढेर न बन पाएं। साथ ही कचरा फेंकने वाले को ट्रेस कर उसका चालान किया जाएं। वहीं दुकानोंके बाहर डस्टबिन नहीं होने पर भी भारी चालान किया जाएं। ज्यादा शिकायत आती है तो सीज की कार्रवाई भी करें। साथ ही हूपर की नियमित मॉनिटरिंग, ट्रैकिंग करने के भी निर्देश दिए गए। इस दौरान हेरिटेज निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेंद्र यादव, सभी जोन उपायुक्त, शाखा प्रभारी, अभियंता अधिकारी और स्वास्थ्य निरीक्षक मौजूद रहे।

जनगणना—2027 के सफल क्रियान्वयन के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में समिति गठित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य में जनगणना-2027 के सुव्यवस्थित एवं सफल क्रियान्वयन के लिए राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की स्वीकृति से मुख्य सचिव सुधांश पंत की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय जनगणना समन्वय समिति का गठन किया गया है।

समिति में ग्रामीण विकास, पंचायती राज, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, वित्त, आयोजना, सांख्यिकी,सूचना प्रोद्यौगिकी एवं संचार,राजस्व, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अल्प संख्यक मामलात, नगरीय विकास, स्कूल शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, महिला एवं बाल विकास, स्वायत्त शासन, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, सामान्य प्रशासन और चिकित्सा शिक्षा विभागों के प्रभारी सचिव (अतिरिक्त मुख्य सचिव / प्रमुख शासन सचिव/शासन सचिव) व आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय के निदेशक को सदस्य बनाया गया है। जनगणना कार्य निदेशालय के निदेशक को समिति कर संयोजक बनाया गया है।

इस समिति का कार्य जनगणना-2027 के विभिन्न चरणों में परिवीक्षण, मार्गदर्शन तथा संबंधित विभागों में समन्वय करना है। समिति का प्रशासनिक विभाग सांख्यिकी विभाग होगा। यह एक अस्थायी समिति है, जो जनगणना-2027 की समाप्ति तक कार्यरत रहेगी।

प्रभारी अधिकारी 13 से 15 अगस्त तक रहेंगे जिलों के दौरे पर

-मौसमी बीमारियों सहित स्वास्थ्य सेवाओं की करेंगे गहन समीक्षा

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं बचाव गतिविधियों सहित अन्य स्वास्थ्य सेवाओं के सघन निरीक्षण के लिए 13 अगस्त से 15 अगस्त तक राज्य स्तरीय प्रभारी अधिकारियों की टीमें सभी जिलों में जाएंगी। ये टीमें जिलों में चिकित्सा व्यवस्थाओं का जायजा लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगी, जिसके आधार पर राज्य स्तर से व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाएगा। साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर सख्त एक्शन लिया जाएगा।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम के आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभारी अधिकारी संबंधित जिलों में जाकर मौसमी बीमारियों और अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लें। वे हर जिले में दवाओं और मानव संसाधन की उपलब्धता, उपकरणों की क्रियाशीलता, चिकित्सा संस्थानों के भवनों की स्थिति, साफ—सफाई सहित अन्य पैरामीटर्स पर गहन जांच करें। साथ ही, रोगियों एवं उनके परिजनों से भी फीडबैक प्राप्त करें, ताकि वस्तु स्थिति के अनुसार एक्शन लिया जा सके।

जहां केस ज्यादा, वहां करें विशेष फोकस-

खींवसर ने कहा कि यद्यपि मौसमी बीमारियों के केस फिलहाल अधिक नहीं हैं, लेकिन जहां भी अपेक्षाकृत केस ज्यादा सामने आ रहे हैं, वहां बचाव व रोकथाम गतिविधियों पर विशेष फोकस करें। उन्होंने वीसी के माध्यम से जुड़े सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों व संबंधित जिला अधिकारियों से गतिविधियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बारिश का दौर धीमा होने के बाद अब मच्छरों की रोकथाम के लिए फोगिंग, एंटीलार्वल, घर-घर सर्वे सहित अन्य गतिविधियों को बढ़ाएं।

31 अगस्त तक सभी कार्मिकों की जिओ मैपिंग होगी-

चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्सा संस्थानों में मानव संसाधन की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित करने की दृष्टि से चिकित्सा विभाग के सभी कार्मिकों की 31 अगस्त, 2025 तक जिओ मैपिंग सुनिश्चित की जाए। साथ ही, अधिकारी यह बताएं कि कौनसे ट्रोमा सेंटर एवं एफआरयू मानव संसाधन की कमी के कारण क्रियाशील नहीं हैं तथा किस चिकित्सा संस्थान में बैड एवं अन्य मापदण्डों के अनुरूप स्वास्थ्यकर्मियों की कमी है। उन्होंने सीएचओ के रिक्त पदों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह सभी जानकारी शीघ्र राज हैल्थ पोर्टल पर अपडेट करें।

एक पद पर दो कार्मिक नहीं रहेंगे-

खींवसर ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं के उन्नयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस दिशा में अब तक करीब 24 हजार पदों पर भर्ती की जा चुकी है तथा लगभग 26 हजार पदों पर भर्तियां प्रक्रियाधीन हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी जिलों में स्टाफ की समुचित उपलब्धता हो। एक पद पर दो व्यक्ति अगर कहीं हों तो तत्काल प्रभाव से एपीओ किया जाए। पिछड़े इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए।

नगर निगम ने तिरंगा रैली के माध्यम से दिया संदेश "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता"

-माननीय राज्यपाल ने 42 स्वच्छता योद्धाओं सहित ब्रांड एम्बेसेडर का किया सम्मान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा मंगलवार को विशाल तिरंगा रैली के साथ-साथ राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (RIC) में स्वच्छता योद्धा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। तिरंगा रैली में नगर निगम ग्रेटर के स्वच्छता योद्धाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए स्वच्छता योद्धाओं ने "हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता" के नारों के साथ पूरा माहौल तिरंगामय कर दिया। स्वच्छता योद्धा सम्मान के तहत माननीय राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने 42 स्वच्छता योद्धाओं (प्रत्येक जोन से 6 स्वच्छता योद्धा), ब्रांड एम्बेसेडर, स्वयं सेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। सभी स्वच्छता योद्धा यह सम्मान पाकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे थे।

माननीय राज्यपाल ने इस अवसर पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर को स्वच्छ सर्वेक्षण में 16वीं रैंक आने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दी साथ ही महापौर द्वारा किये गये कार्यो की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य टॉप 3 में आने का होना चाहिए। माननीय राज्यपाल ने सभी स्वच्छता योद्धाओं को बच्चों को अच्छी शिक्षा, संस्कार देने साथ ही नशे आदि की गलत आदतों से दूर रहने का संदेश दिया।

इस अवसर पर नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झार्बर सिंह खर्रा, महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी मौजूद रहे।

राखी तो चेहरे पर झलकी खुशी-

कार्यक्रम में महिला स्वच्छता योद्धाओं द्वारा माननीय राज्यपाल को अपने हाथों से बनाई गई त्त् पर आधारित राखियां बांधी। महिला स्वच्छता योद्धा माननीय राज्यपाल को राखी बांधते हुये बेहद खुश दिख रही थी। माननीय राज्यपाल ने सभी स्वच्छता बहनों को शुभकामनाएं दी। सभी स्वच्छता योद्धाओं ने माननीय राज्यपाल महोदय के साथ समरसता भोज किया। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री झार्बर सिंह खर्रा ने कहा कि अगर मॉ के बाद किसी का स्थान आता है तो वह स्वच्छता योद्धा है। स्वच्छता योद्धाओं का हमारे शहर को स्वच्छ बनाने में अहम योगदान है।

महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने अब तक स्वच्छता में किये गये नवाचारों, कार्यो को बताया साथ ही स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 में शहर को टॉप 3 में लाने का संकल्प भी दिलाया। महापौर ने कहा कि "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता" अभियान राष्ट्र के प्रति हमारे प्रेम, समर्पण को दिखाता है। जयपुर शहर केवल किले, महल, धरोहरों का ही शहर नहीं बल्कि हमारी संस्कृति, सांस्कृतिक विरासत को भी सहेजता है।

शहर को स्वच्छ बनाने में योगदान करने वाले स्वच्छता योद्धाओं, अधिकारियों, कर्मचारियों, स्वयं सेवी संस्थाओं, ब्रांड एम्बेसेडर का हुआ सम्मान-

उपायुक्त (स्वास्थ्य) ओम प्रकाश थानवी, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक आबिद हुसैन, सतीश कल्याणी, भागचंद श्रीमाल सहित मुरलीपुरा जोन से मनीष किशोर लखन, राकेश, श्रीमति मीरा, विजय, शुभम, मदन, विद्याधर नगर जोन से महेश, दीपक प्रजापत, श्रीमती वन्दना, जितेन्द्र, देवकरण, सुश्री माया, झोटवाड़ा जोन से रमेश चन्द्र मीणा, श्रीमती विमला, श्रीमती बीना देवी, अजय गुजराती, दीनदयाल, कानाराम गुर्जर, मानसरोवर जोन से सत्यनारायण, छोटीलाल, मंगल, श्रीमति सुशीला, दौलत, श्रीमती लक्ष्मी, सांगानेर जोन से राजेन्द्र कुमार, श्रीमती सुनीता मीणा, बुद्धिप्रकाश, कोमल किशोर, बबलू, हरिश शर्मा, जगतपुरा जोन से रमेश पंवार, रामोतार, रामबाबू, श्रीमती शीला सहित अन्य जोन के स्वच्छता योद्धाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही ब्रांड एम्बेसेडर आरजे कार्तिक, जय पेडीवाल को सम्मानित किया गया।

बृजमोहन मल्होत्रा को किशनपोल विधानसभा अध्यक्ष पद पर मनोनीत किया

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। बृजमोहन मल्होत्रा को किशनपोल विधानसभा अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर ऑल इंडिया खटीक समाज परिवार जोड़ो मंच किशनपोल विधानसभा अध्यक्ष बृजमोहन मल्होत्रा के द्वारा पौधरोपण एवं स्वागत का कार्यक्रम किया। इस कार्यक्रम में ऑल इंडिया खटीक समाज परिवार जोड़ो मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरिराज खींची सहित सभी पदाधिकारी किशनपोल विधानसभा अध्यक्ष बृजमोहन मल्होत्रा के निवास स्थान पर जाकर बृजमोहन मल्होत्रा को अध्यक्ष बनने पर साफा माला पहनाकर मिठाई खिलाकर बधाई शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारीयों और खटीक समाज बंधुओ ने बृजमोहन मल्होत्रा को साफा माला पहनाकर स्वागत किया और इन्हें अध्यक्ष बनने की बधाई और शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरिराज खिंची सहित इनकी पूरी टीम का स्वागत सत्कार किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष गिर्राज खींची सहित,राष्ट्रीय संरक्षक एडवोकेट सोहनलाल सांखला, केलाश सोयल, सुखपाल बसवाल,रामचंद्र बागोरिया,राज टेपण, राजेंद्र नावरिया,रोशन नावरिया भागीरथ तंवर, गणेश कुमार सोयल सहित भारी संख्या में खटीक समाज बंधु मौजूद रहे।

पौधारोपण कार्यक्रम में नेपाल से रिंग गोल्ड विजेता दीक्षिता सांखला का और 10 वीं 12 वी के छात्र छात्राओं को माला साफा पहनाकर सम्मान पत्र से सम्मानित कर पौधरोपण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष बृजमोहन मल्होत्रा ने खटीक समाज में एकता को बनाए रखते हुए खटीक समाज को शक्तिशाली बनाने का राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरिराज खिंची सहित पूरे खटीक समाज को विश्वास दिलाया। खटीक समाज आगे से आगे तरक्की करता जाए..

मनोहरपुर में "हर घर तिरंगा" के तहत भव्य मोटरसाइकिल रैली

-देशभक्ति नारों से गूंजा कस्बा

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। हर घर तिरंगा अभियान के तहत नगर पालिका द्वारा मंगलवार को एक भव्य तिरंगा मोटरसाइकिल रैली निकाली गई। अधिशाषी अधिकारी के निर्देशन में शुरू हुई रैली नगर पालिका परिसर से रवाना होकर बस स्टैंड, गांधी चौक होते हुए बिशनगढ़ तिराहे तक पहुंची। हाथों में तिरंगा थामे युवाओं ने पूरे जोश के साथ "भारत माता की जय" और "वंदे मातरम्" के नारे लगाए। मार्ग में लोगों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया गया। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों में देशभक्ति की भावना जगाना और राष्ट्रीय ध्वज के महत्व के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम ने पूरे कस्बे को देशप्रेम के रंग में रंग दिया।

अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस पर एचआईवी-एड्स जागरूकता अभियान का शुभारंभ

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी द्वारा राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन ओटीएस स्थित भगवत सिंह मेहता सभागार में किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों में संचालित रेड रिबन क्लब के सदस्यों, सरकारी व गैर सरकारी संस्थाओं के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में इंटेंसिफाइड आईईसी कैम्पेन का शुभारंभ किया गया। साथ ही नुक्कड़ नाटक एवं अन्य रोचक प्रस्तुतियों के द्वारा एचआईवी एड्स के प्रति जागरूकता का संदेश युवाओं को दिया गया। इस अवसर पर राजस्थान स्टेट एड्स कंट्रोल सोसायटी के परियोजना निदेशक शाहीन अली खान ने कहा कि देश के युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले, इसी उद्देश्य से प्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर इंटेंसिफाइड आईईसी कैम्पेन का शुभारंभ किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विशेषकर युवाओं तक एचआईवी/एड्स की जानकारी पहुंचाने के लिए जांच व परामर्श की सुविधा एवं कैंप का आयोजन, फ्लेश मॉब, रैली, डोर-टू-डोर कैम्पेन, सरकारी व

गैर सरकारी महाविद्यालयों में एचआईवी/एड्स पर जागरूकता सत्रों का आयोजन, ग्राम स्तर पर मीटिंग के साथ कला जत्था गतिविधियां, सोशल मीडिया पर जागरूकता संदेश के साथ ही साथ राजकीय अस्पतालों में विशेष कैंपों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान 2 माह तक चलेगा। संयुक्त निदेशक, आईईसी डॉ. प्रदीप चौधरी ने कहा कि युवाओं को एचआईवी एवं यौन व प्रजनन स्वास्थ्य की जानकारी हेतु राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में रेड रिबन क्लबों की स्थापना कर समग्र शिक्षा के लिए उनका क्षमतावर्धन किया है। आज 755 रेड रिबन क्लबों के माध्यम से महाविद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को एचआईवी की जानकारी से लाभान्वित किया जा रहा है। सोशल मीडिया के माध्यम से भी एचआईवी से संबधित सही जानकारी युवाओं तक पहुंचा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि आप निशुल्क व गोपनीयता के साथ एचआईवी की जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं तो गूगल प्ले स्टोर से नाको एड्स एप्लीकेशन डाउनलोड कर सकते हैं या राष्ट्रीय एड्स हेल्पलाइन 1097 पर कॉल कर सकते हैं। संयुक्त निदेशक, टीआईश्री सुनील कुमार ने सभी आगन्तुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि युवा शक्ति देश का भविष्य है और देश के समग्र विकास में युवा शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन यह तब ही हो सकता है जब वह निरोगी रहे। विभिन्न संक्रमणों से बचाव की जानकारी रखें, चाहे वह संक्रमण नशे के इंजेक्शन से हो या फिर शारीरिक सम्पर्क से।

किराणा दुकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के खोरा रोड स्थित एक किराणा दुकान के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी की घटना का खुलासा करते हुए पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी की गई बाइक बरामद कर ली है। थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा ने बताया कि जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक राशि डोगरा द्वारा चोरी की घटनाओं में त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए गए थे। इसी के तहत 8 अगस्त 2025 को विक्रम पुत्र कालूराम जाति बुनकर, निवासी चेच्यावाला, थाना मनोहरपुर ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि 7 अगस्त को वह खोरा रोड पर किराणा स्टोर के बाहर अपनी मोटरसाइकिल खड़ी कर सामान लेने गया था। वापस लौटने पर बाइक गायब मिली। आसपास खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला। मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रजनीश पूनियां व वृत्ताधिकारी शाहपुरा मुकेश चौधरी के सुपरविजन में थाना प्रभारी भगवान सहाय, हैड कांस्टेबल लीलाधर, कांस्टेबल श्याम सिंह, राजेन्द्र व राकेश की टीम गठित की गई। टीम ने आमसूचना संकलन व तकनीकी जांच के आधार पर कड़ी मेहनत करते हुए आरोपी हंसराज पुत्र जगदीश गुर्जर, निवासी दहिया

की ढ़ाणी मनोहरपुर हाल निवासी चौच्यावाला को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात कबूल कर ली। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल बरामद कर ली है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए		**पानी के लिए**	
टोल फ्री नंबर	18001806507	जलदाय कार्यालय	2706624
वॉट्सएप नंबर	9414037085	फायर ब्रिगेड	2747400
कस्टमर केयर	2203000	**मेडिकल इमरजेंसी के लिए**	
आईवीआरएस	1912	एंबुलेंस	102/108
कचरा गाड़ी के लिए		एसएमएस इमरजेंसी	2518333
ग्रेटर	2747400	महिला चिकित्सालय	22610616
सीवरेज लीकेज	2607500	जनाना हॉस्पिटल	22378721
हेरिटेज	2607500	SDMH	22574189
टोल फ्री नंबर	14420	SMS ब्लड बैंक	22518222
पुलिस की मदद के लिए		कल्याण ब्लड बैंक	22721771
साइबर क्राइम	1930/2360094	**घायल पशुओं के लिए**	
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38	नगर निगम	2747400
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630	बर्ड बाइक	9887345580
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098	हेल्प इन सफरिंग	8107299711
महिला हेल्पलाइन	1090	जनमंच ट्रस्ट	7230055800
मुख्यमंत्री पोर्टल	181	पशु चिकित्सालय	2747400

"हर घर तिरंगा अभियान" ट्रेक्टर रैली एवं स्काउट व स्कूली छात्रों ने साईकिल रैली के माध्यम से

-तिरंगा लहरा कर जगाया देशभक्ति का जोश

पाली, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर एलएन मंत्री के मार्गदर्शन में व जिला परिवहन विभाग, पंचायती राज, नगर निगम के तत्वधान में मंगलवार को सर्किट हाउस से किसानों ने जय जवान जय तिंरगा जय किसान की थीम पर तिरंगा ट्रेक्टर रैली निकाली रेली के मुख्य अथिति ग्राम खिवांदी तहसील सुमेरपुर के निवासी शहीद फ्लाइट लेफ्टिनेंट ऋषिराज सिंह के पिता जसवंतसिंह देवाड़ा ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को माल्यार्पण, साफा व शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया। इस दौरान पर जिला कलक्टर एलएन मंत्री व जिला पुलिस अधीक्षक पूजा अवाना, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, पाली प्रधान मोहिनी देवी, नगर निगम आयुक्त नवीन भारद्वाज समेत जिला स्तरीय अधिकारीगण मौजूद रहै। सैंकडों की ट्रेक्टर रैली में भारत माता की जय और वन्देमातरम देश भक्ति नारे लगाये साथ ही देश

भक्ति के गीतों से जहां जहां से रैली गुजरी वहां देशभक्ति का जज्बा व माहौल नजर आ रहा था। कार्यक्रम में ये रैली सर्किट हाउस से रवाना होकर, नया बस स्टेण्ड, कवाड सर्कल, मस्तान बाबा, जिला कलक्टर कार्यालय, अहिंसा सर्कल, सूरजपोल, लोढ़ा स्कूल, शिवाजी सर्कल होते हुए बांगड़ कॉलेज में रैली का समापन हुआ। इससे पहले सवेरे व्यास सर्किल से साईकल रैली निकाली गई जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय सेना की जाट बटालियन के कैप्टन प्रेमराज चौधरी ने रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित, जिला खेल अधिकारी लहरीदास वैष्णव, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल राठौड़ व अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। साईकिल रैली में स्काउट गाइड, नेहरू युवा केन्द्र के समन्वयक एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। उन्होंने साईकल पर तिरंगा लगाते हुए देशभक्ति नारे लगाएं। देशभक्ति गीतों के साथ रैली व्यास सर्कल, सूरजपोल, लोढ़ा स्कूल, रोटरी भवन, बांगड़ स्कूल होते हुए कलेक्ट्रेट आकर समाप्त हुई।

आपसी सद्भाव और भाईचारे से त्यौहार मनाएं: जिला कलक्टर काना राम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। आगामी स्वतंत्रता दिवस, कृष्ण जन्माष्टमी एवं गणेश चतुर्थी सहित अन्य धार्मिक उत्सवों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए जिला कलक्टर काना राम की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बैनीवाल की उपस्थिति में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने कहा कि सवाई माधोपुर की कौमी एकता की परंपरा हम सबकी सामुहिक जिम्मेदारी है और सभी को मिलकर इसे कायम रखना होगा। जिले में साम्प्रदायिक सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने की परंपरा को कायम रखते हुए सभी त्योहार आपसी भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना या अफवाह की सूचना तुरंत जिला प्रशासन या पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने सभी समुदायों से मिल-जुलकर अपनी परंपराओं का निर्वहन करने और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने की अपील की। आपत्तिजनक पोस्ट की दें पुलिस को जानकारी :- पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने कहा कि कि किसी भी प्रकार की अवांछित गतिविधि, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक या

भड़काऊ पोस्ट आदि के बारे में तत्काल पुलिस और प्रशासन को सूचित करें, कोई भी व्यक्ति साम्प्रदायिक भावना भड़काने या आपराधिक गतिविधियों में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर भी निगरानी रखी जाएगी और सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों पर तुरंत कार्यवाही होगी। गलत सूचनाओं, संदेशों, पोस्ट को फॉरवर्ड नहीं करें। किसी भी परिस्थिति में शांति एवं धैर्य बनाए रखें। उन्होंने युवाओं को जागरूक करने और किसी भी अनावश्यक गतिविधि से दूर रहने का संदेश दिया। शांति एवं सद्भाव के लिए जाहिर की अपनी प्रतिबद्धताः- बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने जिले में शांति व्यवस्था के लिए अपने सुझाव दिए एवं आश्वस्त किया कि जिले में आपसी भाईचारा और सौहार्द हमेशा बरकरार रहेगा। सभी ने त्यौहारों को मिलजुल कर मनाने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में जिला प्रशासन को पूरा सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई। इस दौरान हाल ही में अतिवृष्टि के कारण हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति, सूरवाल बांध की चादर से जलभराव की समस्या के प्रभावी निराकरण, बोदल पुलिया पर भारी वाहनों के आवागमन, युवाओं को नशे व साइबर अपराध से दूर रखने के लिए विशेष अभियान चलाने के संबंध में भी चर्चा की गई। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर संजय शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार कस्वा, उपखंड अधिकारी दामोदर सिंह, नगर परिषद आयुक्त नरसी मीना, उप जिला प्रमुख बाबूलाल, एडवोकेट असरार अहमद, किसान सभा जिलाध्यक्ष कानजी मीना, महेश छाबड़ा, गोविंद, रघुनाथ चौधरी, अफजल अली, अरविंद सिंह, बदरूद्दीन, हरसहाय मीना पटेल, इफ्तेखार उद्दीन, डॉ. मुमताज अहमद आदि शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

अतिरिक्त निदेशक अबू सूफियान ने राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास

-कॉमन सर्विस सेंटर के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। अल्पसंख्यक मामलात विभाग, राजस्थान जयपुर के अतिरिक्त निदेशक अबू सूफियान मंगलवार को सवाई माधोपुर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभाग की प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम एवं राज्य मद अंतर्गत निर्माणाधीन परियोजनाओं का निरीक्षण किया। अतिरिक्त निदेशक ने राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास एवं कॉमन सर्विस सेंटर के रूके हुए निर्माण कार्यों का स्थलीय अवलोकन किया तथा नगर विकास न्यास एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर चर्चा की। इसके पश्चात जिला कलक्टर काना राम एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा के साथ बैठक कर प्रकरण के निस्तारण के लिए विभिन्न वैकल्पिक समाधानों पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान उन्होंने हरियालो राजस्थान अभियान के तहत राजकीय अल्पसंख्यक बालक छात्रावास में विभागीय कार्मिकों एवं छात्रावास के विद्यार्थियों के साथ पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

शान से निकली तिरंगा बाइक रैली, शहर गूंजा देशभक्ति के नारों से

बारां (रॉयल पत्रिका) । 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत मंगलवार को जिला एवं पुलिस प्रशासन के निर्देशन में जिला मुख्यालय पर भव्य तिरंगा बाइक रैली का आयोजन हुआ। बड़ी संख्या में बाइक सवार तिरंगा थामे शहर की सड़कों पर उतरे और पूरे जोश के साथ भारत माता की जय के नारे लगाते हुए देशभक्ति का संदेश दिया। रैली का शुभारंभ मिनी सचिवालय से जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अडांसु भी मौजूद रहे। रैली कोटा रोड आरओबी, चारमूर्ति चौराहा, प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा, अस्पताल रोड, कॉलेज तिराहा होते हुए निकली और कृषि उपज मंडी

प्रांगण में सम्पन्न हुई। डीजे पर देशभक्ति से सराबोर गीतों के साथ पुलिस जवान, होम गार्ड्स, एसडीआरएफ दल और विभिन्न विभागों के कार्मिक रैली में शामिल हुए। कृषि उपज मंडी में रैली के समापन पर जिला कलक्टर ने उपस्थित जनसमूह को देश व तिरंगे के सम्मान की शपथ दिलाई। अभियान के तहत मंगलवार को नगर निकाय क्षेत्रों में तिरंगा थीम पर आधारित उत्पादों—भोजन सामग्री, वस्त्र, श्रृंगार आदि—की बिक्री को बढ़ावा दिया गया और स्थानीय बाजार तिरंगे की रोशनी और सजावट से सजाए गए। बुधवार को राजकीय भवनों, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों, डेम और पुलों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

देश की आज़ादी के लिए लड़े गोरों से अब लड़ेंगे संविधान बचाने वोट चोरों से- मंडेलिया

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर जिला कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस शहर एवं देहात ब्लॉक कांग्रेस ने राहुल गांधी का वोट चोरी के आरोपो के खुलासे वाला वीडियो दिखाया और पोस्टर जारी किया। राष्ट्रीय चुनाव आयोग से डिजिटल वोटर लिस्ट की मांग पर आयोजित कार्यक्रम पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष ऱफ़ीक मंडेलिया ने कहा हम आल इंडिया कांग्रेस नेता एवं नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के समर्थन में चुनाव आयोग से डिजिटल वोटर लिस्ट की मांग करते हुए कहा,वोट चोरी के खिलाफ संसद से चुनाव आयोग तक मार्च निकाल रहे इण्डिया गठबंधन के सांसदगणों को दिल्ली पुलिस भेजकर रोकना और उनकी आवाज़ को दबाने का प्रयास करना लोकतांत्रिक व्यवस्था में घोर निन्दनीय है। आज संसद के ठीक सामने ही भाजपा सरकार द्वारा लोकतंत्र की आत्मा पर हमला किया गया है। ये लड़ाई राजनीतिक नहीं है, बल्कि

लोकतंत्र व संविधान को बचाने की, एक व्यक्ति-एक वोट की लड़ाई है। मंडेलिया ने कहा गांधी परिवार पहले देश की आज़ादी के लिए लड़ा गोरों से अब सड़कों पर लड़ा संविधान बचाने आमजन के साथ वोट चोरों से ।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वोट चोरी के खुलासे के बाद आज देश का हर मतदाता मांग कर रहा है कि चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी हो और वोटर लिस्ट साफ़-सुथरी हो; देश की इसी आवाज को समूचा विपक्ष बुलंद कर रहा है, जो हमारा संवैधानिक हक़ है।हम लोकतंत्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं और मजबूती से डटे रहेंगे।इस अवसर पर जिला कांग्रेस कोषाध्यक्ष रामनारायण व्यास, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, जिला प्रवक्ता अनवर कुरैशी, ब्लॉक अध्यक्ष असलम खोखर, देहात अध्यक्ष किशोर धांधू, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष संजय दीक्षित, राजेश गहलोत, जगदीश माली,शशि गॉड, पार्षद शाहरुख खान, संजय भाटी तारीख नागौरी आबिद खान जाबासरिया , इस्माइल भाटी, सरपंच एन के झारिया, नुमान सैय्यद, आरिफ़ रिसालदार, अनिल श्योता, पुरूषोतम इंदौरिया, सलेमुद्दीन कुरैशी, के डी, पठान, अशोक मारु, आदि ने चुनाव आयोग व केंद्र सरकार के खिलाफ़ रोष व्यक्त किया।

इंदिरा पब्लिक स्कूल ने वार्ड के मुख्य मार्गों पर तिरंगा यात्रा निकाली

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर इंदिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल के बच्चों व रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू के संयुक्त तत्वाधान में तिरंगा रैली निकाली गई स्थानीय इन्दिरा मेमोरियल पब्लिक स्कूल व रॉयल विकलांग विकास संस्थान चूरू की ओर से हर घर तिरंगा अभियान को लेकर वार्ड नंबर 4 में स्कूली बच्चों व दिव्यांग जनों ने भारत माता की जय के नारो के साथ तिरंगा हाथ में लिए हुए विभिन्न मार्गो से रैली निकालकर स्कूल परिसर में पहुंचे जहां पर रॉयल विकलांग विकास संस्थान प्रदेशाध्यक्ष अख्तर खान रूकनखानी ने बच्चों को तिरंगे के महत्व व आजादी की कहानी पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संस्थान के सचिव हाजी

युसूफ खान रूकनखानी ने कहा कि हमें आजादी के पर्व को बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए। जिस तरह हम अन्य त्योहार पर घरो को सजाते हैं। उसी प्रकार सजाया जाए समाज सेवी डॉक्टर यूनुस खान रूकनखानी विद्यालय की प्रधानाध्यापिका सबीना बानो, शिक्षा अनुदेशक असलम खान, शिक्षा अनुदेशक जान मोहम्मद, शिक्षा अनुदेशिका अल्लादेई, आदि ने अपने विचार व्यक्त किया स्कूली बच्चे देशभक्ति के गीतों पर नाचते हुए नजर आए।

विश्व यादव परिषद प्रदेश अध्यक्ष की ओर से जिला एवं शाहपुरा विधानसभा

-युवा मोर्चा के अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी की नियुक्ति किए जा रही

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव सिगंड़ सान्दरसंर मैं संबोधित करते हुए कहा विश्व यादव परिषद में युवा मोर्चा को आगे लाने की अहम भूमिका रहेगी। इसको लेकर यादव रामदेव की ओर से ओर से यादव समाज में जयपुर जिला अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ अध्यापक शिक्षक संघ के अजय यादव को नियुक्त किया। इसी प्रकार विश्व यादव परिषद युवा मोर्चा विधानसभा शाहपुरा से पद पर

लालचंद यादव को नियुक्त किया, महासचिव पद पर पवन यादव को तथा महासचिव के पद पर नियुक्त किया फूलचंद यादव, उपाध्यक्ष पद पर नियुक्त रामेश्वर यादव, नियुक्त किया। इनको नियुक्तपद होने पर विश्व यादव परिषद के सदस्यों गानों व यादव समाज बंधुओ की ओर से ख़ुशी एवं मिठाई खिलाकर खुशी की लहर।

मौलाना समीर रजा मर्कजी तंजीम अहले सुन्नत के सदर बने

बारां (रॉयल पत्रिका)। मर्कजी तंजीम अहले सुन्नत शहर बारां की मीटिंग शहर काजी अब्दुल कय्यूम की सदारत में मदरसा रजविया बरकातुल ओलिया मांगरोल रोड़ बारां में संपन्न हुई। मीटिंग में पूर्व सदर मोहम्मद आबिद देशवाली ने कार्यकाल पूरा होने पर अपना इस्तीफा जिम्मेदारान को पेश कर कमेटी भंग की। इसके साथ ही नए सदर के रूप में अक्सरियत राय से मौलाना समीर रजा को नया सदर चुना गया। अहले सुन्नत के सदर बनने पर शहर के मुअज्जिज हजरात ने मौलाना समीर रजा का गुलपोशी कर इस्तकबाल किया। इस दौरान

वक्फ बोर्ड सदर इरफान अंसारी, अब्दुल सलाम कादरी, मोहम्मद आबिद देशवाली, शाहिद कुंडी, फिरोज खान एडवोकेट, इरफान अशरफी, रईसुद्दीन शेख, अब्दुल रऊफ, पार्षद मोहम्मद शरीफ रंगरेज, शाहिद इकबाल भाटी, कदीर मिर्जा, इरफान मंसूरी, हाफिज अय्यूब रिजवी, हाफिज इरफान नूरी, हाफिज इंसाफ रजा, मुन्ना बाबा, अब्दुल सलाम आदि उपस्थित रहे।

अंसारी मोहल्ले में 3 दिन से पेयजल ठप, टंकियां खाली – बूंद-बूंद को तरसे लोग

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। पुराने शहर के अंसारी मोहल्ला, गलता रोड (वार्ड 35 व 36) में पिछले तीन दिनों से ट्यूबवेल की मोटर खराब हो जाने से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है। ट्यूबवेल की मोटर खराब होने से टंकियां खाली पड़ी हैं और मोहल्ले के हजारों लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं।

प्यास बुझाने के लिए लोग सुबह से शाम तक हैंडपंपों पर लंबी कतारों में खड़े होकर पानी भर रहे हैं, लेकिन वहां से भी गंदा व बदबूदार पानी ही निकल रहा है। स्थिति यह है कि पीने योग्य पानी के लिए लोगों को दूर-दराज जाना

पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि विभाग को कई बार शिकायत दी गई, मगर अब तक समाधान नहीं हुआ। विभाग द्वारा लगाई गई कम पावर की मोटर पानी को टंकी तक नहीं पहुंचा पा रही है, जिससे आपूर्ति ठप है।

क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से तुरंत मोटर बदलने और जलापूर्ति बहाल करने की मांग की है, ताकि लोगों को जल संकट से राहत मिल सके।

हर घर तिरंगा अभियान के तहत 15 अगस्त तक आयोजित होंगे विभिन्न कार्यक्रम

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर काना राम के निर्देशन में जनभागीदारी से देशभक्ति और स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर "आजादी का अमृत महोत्सव" के अंतर्गत 2 से 15 अगस्त तक जिले में "हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव स्वच्छता के संग" थीम पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया ने बताया कि 13 से 15 अगस्त तक जिला, ब्लॉक, ग्राम पंचायत और गांव-ढाणी स्तर पर तिरंगा यात्रा, एलईडी लाइटिंग, प्रमुख बाजारों व स्मारकों की सजावट, देशभक्ति गीत प्रसारण और तिरंगा केनवास जैसे कार्यक्रम होंगे। तिरंगा यात्रा में स्थानीय नागरिक, विद्यार्थी, कलाकार और संगीतकार शामिल होंगे, जबकि तिरंगा केनवास पर आमजन हस्ताक्षर कर देशप्रेम व्यक्त करेंगे। 14 अगस्त को नगर परिषद, नगर पालिका और पंचायत समितियों में तिरंगे के महत्व पर आधारित प्रदर्शनियां और मेले लगाए जाएंगे, जिनमें बुनकरों द्वारा हाथ से तिरंगा कपड़ा बनाने की कला, राजस्थान की सांस्कृतिक झलक और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी होगी। इसी दिन शाम को जिला स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों, सैनिकों, सुरक्षा बलों के सेवानिवृत्त कार्मिकों और शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया जाएगा। 15 अगस्त को ध्वजारोहण के साथ "तिरंगा शपथ" दिलाई जाएगी। अभियान को जन-जन का उत्सव बनाने के लिए जिला प्रशासन ने "मेरा कचरा-मेरी जिम्मेदारी" और "मेरा शहर-स्वच्छ शहर" जैसे संदेशों के साथ तिरंगा संगीत कार्यक्रम, स्वच्छता श्रमदान, तिरंगा मेले और सोशल मीडिया अभियान (#HarGharTiranga #HarGharSwachhtha #HGT2025 #HarGharTiranga2025 #IndependenceDay2025) को बढ़ावा दिया है।

जिला कलक्टर काना राम ने अधिकारियों और नागरिकों से अपील की गई है कि https://harghartiranga.com/become-volunteer पर पंजीकरण कर तिरंगा वॉलंटियर बनकर तिरंगा यात्रा, रैली, ध्वज वितरण और जागरूकता गतिविधियों में भाग लें। और harghartiranga.com पर अपनी तिरंगा सेल्फी अपलोड कर इस ऐतिहासिक अभियान में योगदान दें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार बेनिवाल ने अपील करते हुए कहा कि तिरंगा केवल राष्ट्रीय ध्वज नहीं, भारत की पहचान है। 11 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा फहराकर आज़ादी का उत्सव मनाएं।

अंडर 23 कुश्ती टीम का चयन शास्त्री बाल स्कूल बास ढाकान में हुआ

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के नजदीक ग्राम बास ढाकान शास्त्री पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय, बास ढाकान में हुआ। कुश्ती प्रतियोगिता की अध्यक्षता हरदीप स्पोर्टस एकेडमी के डायरेक्टर विजय लाखलाण ने की। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में 30 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इसमें ट्रायल सलेक्ट खिलाड़ी 50 kg भार वर्ग मं पूजा, राजगढ़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा 62kg भार वर्ग में सपना तारानगर ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तथा छात्र वर्ग में योगेश कुमाराम kg, नरेन्द्र कुमार 57kg नरेन्द्र कुमार 61 kg, ऋषभ पुनियाँ राजगढ़ 74 kg), पुरुष वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उपरोक्त खिलाड़ी राज्य स्तर पर भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि सुग्रीवलाल शर्मा तथा हरलाल पुरउक, विद्यालय निदेशक मुख्तयार लाम्बा, ललिता, मन्जु कुरड़क व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। तथा निर्णायक की सुमिका राष्ट्रीय कुशी कोच देवेन्द्र लाम्बा तथा नितेश मोखरा ने निभायी फ्री स्टाइल में C ग्रीको रोमन में अमित कुमार नवा भैसला, हरीश कुमार 27kg/ने पुरुष वर्ग में प्रथम 63 kg नितेश कुमार चांद कोठी ने स्थान प्राप्त किया।

एन.डी.पी.एस के कोमर्शल क्वांटिटी के प्रकरण में दोनों आरोपियों की जमानत स्वीकार

-एडवोकेट फिरोज खान ने की पैरवी

बारां (रॉयल पत्रिका)। थाना कोतवाली ने मुकदमा संख्या 322/2025 में जून 2025 में रणधीर कुमार सिंह और निराला कुमार को 20 किलो से अधिक गांजा के साथ पकड़ कर न्यायालय एन.डी.पी.एस बारां में पेश कर जेल भेज दिया था। जिसका जमानत प्रार्थना पत्र न्यायालय बारां के बाद राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर में पेश किया। जिसपर अधिवक्ता के तर्को के आधार पर दोनों आरोपियों की जमानत मंजूर करली गई, जमानत आदेश की पालना में दिनांक 12.08.2025 को अधिवक्ता फिरोज खान ने जमानत पेश कर आरोपी की रिहाई सुनिश्चित करवाई, जिसे जिला कारागृह बारां से रिहा किया गया न्यायालय बारां में पैरवी एडवोकेट

फिरोज खान ने की।

स्कूल चलो प्रोग्राम, जरूरतमंद विद्यार्थियों को मिला शैक्षिक सहयोग

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सामाजिक संस्था मुस्लिम युवा फाउंडेशन समिति, पाली की ओर से वार्षिक "स्कूल चलो" प्रोग्राम का आयोजन मंगलवार को दारुल उलूम फैज़ाने गरीब नवाज उच्च प्राथमिक विद्यालय में किया गया।

फाउंडेशन के सैय्यद अबूबकर ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष शिक्षा के प्रति जागरूकता और जरूरतमंद विद्यार्थियों की मदद के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इस अवसर पर जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग, कॉपी-किताबें और स्कूल ड्रेस वितरित की गईं। विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व के प्रति प्रेरित किया गया और फाउंडेशन द्वारा

शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य अतिथि मुफ्ती मोहम्मद रईस अहमद साहब मंजरी ने की। अतिथि के रूप में हाफिज जुनेद, मोहम्मद रफीक, समाजसेवी अरबाज खान अज्जू और तालिब अली उपस्थित रहे।

इस मौके पर फाउंडेशन के अध्यक्ष मेहराज अली चूड़ीघर, फिरोज सामरिया, वसीम भाटी, वाहिद खान अशरफी, मोहम्मद अयूब सुलेमानी, अंसार अली भाटी, गौस मोहम्मद, मोहसिन भाटी, खालिद भाई कादरी, मोहम्मद यासीन सबावत सहित कई कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

किसान सम्मान निधि वितरण समारोह में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ एवं विधायक हरलाल सहारण ने शिरकत की

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ एवं चूरू विधायक हरलाल सहारण ने झुंझुनू में आयोजित किसान सम्मान निधि वितरण समारोह में शिरकत की कार्यक्म में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अनेक वरिष्ठ मंत्री एवं वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। इस अवसर पर चूरू के किसानों के लिए सरकार द्वारा किए गए कार्यों के लिए चूरू विधायक हरलाल सहारण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ का आभार जताया। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में शुरू की गई प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना किसानों की आर्थिक सुरक्षा की सशक्त ढाल बन चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों का सम्मान करते हुए किसान सम्मान निधि की घोषणा की है और समय-समय पर किसानों के खाते में नगद राशि जमा हो रही है इससे किसान खुशहाल हो रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जो सपना की किसान की किस प्रकार से आय दुगनी करें उस और देश का किसान बढ़ रहा है उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कुशल निर्णय के लिए उनका आभार व्यक्त किया वही प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का प्रदेश में किसानों को सही समय पर इसका वितरण करने के लिए आभार जताया।उन्होंने कहा कि आज चूरू जिले के अन्नदाताओं के लिए ऐतिहासिक दिन है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार के द्वारा चूरू जिले के किसानों के हक में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए बीमा कंपनियों की कुल 1,595 आपत्तियों में से 1,042 आपत्तियों को निरस्त कर खरीफ 2023 के लिए 410 करोड़ की फसल बीमा दावा राशि का डिजिटल भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया गया है। यह निर्णय किसानों के चेहरों पर मुस्कान लाने और उनके परिश्रम को सम्मान देने वाला है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का हार्दिक आभार व्यक्त किया एवं किसानों को बधाई दी।

कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक रामनिवास पालीवाल का सेवानिवृत्ति पर किया सम्मान समारोह आयोजित

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । शहर के मोरीजा बाईपास, पुलिया के पास स्थित प्रेम पैलेस रिसोर्ट एंड मैरिज गार्डन में सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। कृषि विभाग के सेवानिवृत अतिरिक्त निदेशक रामनिवास पालीवाल एवं उनकी धर्मपत्नी बिमला देवी का भारत सरकार के मंत्री, विधायक, प्रधान, विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं समाजबंधुओं ने माला, साफा, शॉल ओढाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। आपको बतादे कि रामनिवास पालीवाल 09.02.1991 से 04.02.1994 तक बाबा भगवानदास राजकीय स्नातकोतर महाविद्यालय चिमनपुरा में व्याख्याता पदस्थापित रहे। 05.02.1994 से कृषि अधिकारी के पद पर कृषि विभाग में कार्यग्रहण करने के बाद सहायक निदेशक कृषि, उप निदेशक कृषि, संयुक्त निदेशक कृषि, अतिरिक्त निदेशक कृषि पद पर पदोन्नति लेते हुए 31.07.2025 को 34 वर्ष की राजकीय सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत हुए। इन्होनें बीकानेर, सीकर, बाड़मेर, अजमेर, टोंक, सवाई माधोपुर, कोटा, जयपुर जिलों में पदस्थापित रहे। सीकर जिले के कृषि विभाग के अतिरिक्त निदेशक रामनिवास पालीवाल ने राजकीय सेवा से सकुशल सेवानिवृत्त होने पर सीकर पूर्व सांसद एवं पीडब्ल्यूडी मंत्री भारत सरकार तथा किसान आयोग के पूर्व अध्यक्ष महादेव सिंह खंडेला, चौमूं पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता रामलाल शर्मा, खंडेला पूर्व प्रधान शिवदयाल पालीवाल, सेवानिवृत नर्सिंग अधीक्षक सूरजमल पालीवाल, इंडियन बैंक के सेवानिवृत शाखा प्रबंध किशन लाल पालीवाल, सेवानिवृत अतिरिक्त निदेशक कृषि यशपाल महावत, सेवानिवृत अतिरिक्त निदेशक कृषि भीमाराम, सेवानिवृत एचएस मीणा, संयुक्त निदेशक कृषि अर्जुन लाल, उप निदेशक कृषि हरदेव सिंह बाजिया, उप निदेशक उद्यान मोहन सिंह बिजारणियां, सेवानिवृत्त एडीएम के.आर. बुनकर, मानव जन जागृति संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष सौदागर कांदेला, कोषाध्यक्ष मुकेश जिंदल, प्राचार्य डॉ. कैलाशचंद्र मोरदिया, सेवानिवृत्त सीबीईओं छोटेलाल बुनकर, कृषि विभाग के सहायक निदेशक मोहन बबेरवाल, बलाई विकास समिति, जयपुर के पूर्व अध्यक्ष नेमीचंद पंवार, बलाई विकास समिति, जयपुर के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल, उपाध्यक्ष राजपालसिंह नारनोलिया, एलआईसी के विकास अधिकारी सुरेश कुमार महरिया, डॉ. कृष्णगोपाल खूड़ीवाल, व्याख्याता शंकुतला वर्मा, प्रधानाध्यापक सीताराम सरावता, सेवानिवृत प्रधानाध्यापक साधुराम बुनकर, अध्यापक रघुनाथ प्रसाद जाटावत, डॉ. नीरज पंवार, डॉ. शुभम पालीवाल, वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक लक्ष्मी बुनकर, चेतन प्रकाश वर्मा, प्रधानाचार्य कालूराम बुनकर, रघुनाथ पाटोदिया, गजानंद परिहार, हरिनारायण लाखीवाल, एडवोकेट मनोहर परिहार, सेवानिवृत्त नर्सिंग अधीक्षक रामपाल बुनकर, राधेश्याम महरिया, स्माईल डॉट कॉम फाउंडेशन के अध्यक्ष सियाराम बुनकर, प्रीतम सरावता, कमलेश वर्मा सहित अधिकारी, कर्मचारी एवं समाजबंधु मौजूद रहे।

चौमूं में मॉडिफाई व पटाखा बाइकों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

चौमूं (रॉयल पत्रिका) । चौमूं शहर में मॉडिफाई व पटाखा बाइकों पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 10 बाइक जप्त SHO प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में चौमूं पुलिस का अभियान बुलेट पटाखा और मॉडिफाई बाइकों पर नकेल, चौमूं पुलिस ने 10 बाइकें पकड़ीं सड़क शोर पर लगाम, चौमूं पुलिस ने पटाखा बुलेट चालकों पर कसा शिकंजा चौमूं में पुलिस की सख्ती, मॉडिफाई व पटाखा बाइकों के खिलाफ अभियान तेज SHO प्रदीप शर्मा बोले - पटाखा बाइकों के खिलाफ कार्रवाई रहेगी जारी।

जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा कैनवास पर किए हस्ताक्षर

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित जन सेवा केन्द्र में हर घर तिरंगा अभियान अंतर्गत तिरंगा कैनवास पर हस्ताक्षर कर देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा हमारे गौरव का प्रतीक है। "हर घर तिरंगा" अभियान का उद्देश्य देशवासियों को राष्ट्रीय ध्वज के साथ भावनात्मक रूप से जोड़ना और राष्ट्रप्रेम की भावना को प्रबल करना है। हम सभी "हर घर तिरंगा" अभियान अंतर्गत आयोजित होने वाली गतिविधियों में अधिकतम भागीदारी करें। इस अवसर पर उन्होंने सभी जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि 13 से 15 अगस्त तक अपने-अपने घरों, प्रतिष्ठानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर इस अभियान को सफल बनाएं और आज़ादी के अमृत महोत्सव में भागीदार बनें। इस दौरान एडीएम अर्पिता सोनी, सीईओ श्वेता कोचर सहित जिला स्तरीय अधिकारियों ने कैनवास पर हस्तारक्षर किए।

परशुराम अतिथि भवन परिसर में ई-लाइब्रेरी का हुआ शिलान्यास

रतनगढ़ (रॉयल पत्रिका) । गौड़ ब्राह्मण सेवा समिति चूरू रोड़ स्थित परशुराम अतिथि भवन परिसर में ई- लाईब्रेरी का शिलान्यास समिति पदाधिकारियों द्वारा किया गया। समिति अध्यक्ष जयप्रकाश ताम्रायत ने बताया कि समाज के बच्चों की आवश्यकता को देखते हुए भवन के एक भाग में ई लाइब्रेरी बनाने का कार्यकारिणी की बैठक में प्रस्ताव लिया गया था। समिति का उद्देश्य है कि बैठक में जो प्रस्ताव दिए जाएं उनका सार्थक क्रियान्वयन हो, इसी श्रृंखला में यह लाइब्रेरी निर्माण के प्रस्ताव को कार्य रूप दिया गया है । समिति मंत्री सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि ई-लाइब्रेरी की कल्पना विद्यार्थियों के अध्ययन एवं कैरियर निर्माण में सहायक होगी इसकी पूरी रूपरेखा तैयार की गई है। युवक संघ अध्यक्ष धीरेन्द्र शर्मा ने बताया कि मौजूदा समय प्रतिस्पर्धा का है इस प्रतियोगी युग में सूचनाओं के संसार से अपनी सार्थकता की सूचनाएं संकलन में ये ई लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित होगी। समाज के युवा इस ई लाइब्रेरी का सार्थक उपयोग कर अपना, अपने परिवार का एवम् हमारे नगर का नाम रोशन करे।युवक संघ अध्यक्ष ने दान दाताओं का आभार प्रकट करते हुवे कहा कि समाज के इन भामाशाहों की वित्तीय सहायता से ही इस ई लाइब्रेरी का अस्तित्व साकार हुआ है, समाज के युवाओं को ये डिजिटल प्लेटफॉर्म देने के लिए सम्पूर्ण समाज भामाशाहों को साधुवाद देता है। इस अवसर पर समिति के आंनदी लाल आत्रेय, ओम प्रकाश महर्षि, हरिप्रसाद बुटोलिया, डॉ. लीलाधर शर्मा, पवन पचलंगिया, सुशील इंदौरिया, विष्णुदत्त धर्ड, रामावतार शर्मा, अनिल आत्रेय, अरविंद महर्षि, मनोज चौमाल, मनोहर चौमाल, यशोदा शर्मा, कुसुम शर्मा, बबीता शर्मा, बेबी पचलंगिया सहित समाज के गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे ।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने दिए हरपाल सर गौशाला को 11 लाख रुपए

चूरू (रॉयल पत्रिका)। पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के पैतृक गांव हरपालसर की शिव गौशाला में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने 11 लाख रू. प्रदान किये जिससे यहां अनेक निर्माण कार्य एवम् अन्य कार्य हो पायेगे। उनकी प्रेरणा से कालूसर ग्राम के कायमखानी समाज के लोगो ने भी गौशाला को सहयोग राशि दान में दी। वही हरपालसर के ग्रामीणजनो एवम् पूर्वनेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ के परिवारजनो ने भी शिव गौशाला समिति हरपालसर को सहयोग राशि प्रदान की। इस अवसर पर पूर्वनेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का ग्रामीणों ने आभार जताया वहीं कालूसर ग्राम एवम् हरपालसर ग्राम के ग्रामीणो के इस सहयोग राशि के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुऐ पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि भारत की संस्कृति गंगा जमूनी संस्कृति है। हमारे यहां गौमाता की सेवा करना पुरातन संस्कृति है और कालूसर ग्राम के कायमखानी समाज के बंधुओ ने गौमाता के लिए जो राशि प्रदान की है यह दर्शाता है कि हम सब भारतीय लोग एकसुत्र में बंधे है। उन्होने कहा कि मेरे द्वारा जो 11 लाख की राशि गौशाला को प्रदान की है उससे यहां जरूरत के हिसाब से निर्माण कार्य हो पायेगे। इस अवसर पर पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि गौमाता जहां हमारे लिए धार्मिक आस्था का विषय है वही गौमाता पशुपालको के लिए एवम् ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। उन्होने प्रदेश सरकार की और से किये जा रहे कार्यो की चर्चा करते हुऐ कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के काबिज होने के बाद प्रदेश सरकार ने गौशालाओं के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाये है। गौशालाओं की बकाया राशि को सरकार जारी कर रही है। आने वाले समय में प्रदेश की किसी भी गौशाला में संसाधनो की कमी नही रहेगी। इसी क्रम में आज पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने मेगाहाइवे रोड़ जैतासर में हरि गौशाला का निरिक्षण किया एवम् रिषिकेश से आए हुऐ बालसंत भोलेबाबा के दर्शन कर उनका आर्शिवाद प्राप्त किया। इस अवसर पर यहां आयोजित होने वाली भागवत कथा एवम् नानीबाई का मायरा कथा में तैयारियों का जायजा लिया। उन्होने इस पुण्य कथा में शामिल होकर देश व प्रदेश में खुशहाली की कामना की।

जौहरी लाल जैन की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए

पाली (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं कांग्रेस भवन निर्माण समिति के संयोजक जौहरी लाल जेन की पुण्यतिथि पर पाली शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में माल्यार्पण कर कांग्रेस जनों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान शहर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष हकीम भाई, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष मेहबूब भाई टी, राजीव गांधी पंचायतीराज जिलाध्यक्ष मदनसिंह जागरवाल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश सांखला, मंगलाराम चौधरी, ताराचन्द चन्दनानी, मांगुसिंह दुदावत, लक्ष्मण कच्छवाह, डॉ .रमेश चावला, आमीन अली रंगरेज , पुर्व पार्षद शाबीर असरफी, अश्गर कुरेशी, फकीर मोहम्मद रंगरेज, बाबू भाई कीर, हसन भाटी, अनवर खां सहित कई कांग्रेस जन उपस्थित थे।

बलाई विकास समिति द्वारा एजुकेशनल मोटिवेशनल सेमिनार एवं सम्मान समारोह संपन्न

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के हाथनोदा ग्राम में स्थित बाबा रामदेव जी मंदिर परिसर में रविवार को बलाई विकास समिति जयपुर (मुख्यालय-चौमूं) के तत्वावधान में "एजुकेशनल मोटिवेशनल सेमिनार एवं सम्मान समारोह" आयोजित हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त सीबीईओ बनवारी लाल बुनकर एवं अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्री नारायण परिहार ने की। विशिष्ट अतिथि सहायक लेखाधिकारी राजेंद्र प्रसाद परिहार व समाजसेवी नृसिंहलाल वर्मा रहे। अतिथियों द्वारा रामदेव जी महाराज के पद चिन्ह पर माला पहनाकर एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर समारोह का शुभारंभ किया। इसके पश्चात ग्राम के समाज बंधुओं द्वारा आए हुए अतिथियों का पंचशील का दुपट्टा पहनाकर एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर का छायाचित्र देकर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि बुनकर कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ एजुकेशन पर भी ध्यान देना चाहिए। अतिथियों द्वारा बच्चों को मोटिवेट करते हूए जनरल नॉलेज के प्रश्न पूछे गए, सही जवाब देने पर बच्चों को पंचशील का दुपट्टा पहनाकर एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर का छायाचित्र व कलम देकर सम्मानित किया। समिति के अध्यक्ष एडवोकेट बद्रीनारायण परिहार के आदेशानुसार समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया ने ग्राम इकाई का गठन किया। जिसमें राहुल कुमार बुनकर को इकाई अध्यक्ष, विश्वामित्र बुनकर को उपाध्यक्ष, श्रवण कुमार सिवोड़िया को कोषाध्यक्ष, मोहित जोया को सचिव, नवीन कुमार बुनकर को संगठन सचिव एवं हरफूल सिवोड़िया, श्रीराम वर्मा, ओमप्रकाश सिहोडिया, विरेंद्र कुमार जोया, रविकुमार बुनकर, महेंद्र कुमार बुनकर, सोहनलाल बुनकर, बनवारी लाल बुनकर, अर्जुन कुमार, नागराज बुनकर को सदस्य नियुक्त किया गया। इस दौरान समिति के महासचिव सुरेन्द्र सिंह हरसोलिया, कोषाध्यक्ष घनश्याम कांदेल, उपाध्यक्ष एडवोकेट राधेश्याम बुनकर, राजपाल सिंह वर्मा, शंकरलाल सरावता, सचिव राजेंद्र प्रसाद काला, प्रहलाद राय जाटावत, संगठन सचिव गोपीराम मेहरड़ा, हरिनारायण मरोड़िया, सदस्य फूलचंद सिंघल, गोपाल लाल देवठिया, मालीराम बुनकर, भोलूराम जोया, फूलचंद बुनकर, अजय कुमार जोया, नंदलाल जोया, तूफान सिंह सिवोड़िया, मुकेश कुमार रोजड़ा, संदीप कुमार जोया इत्यादि समाजबंधु मौजूद रहे।

प्रथम वर्ष SFS की फीस में कटौती करने की मांग की सौंपा ज्ञापन

पाली (रॉयल पत्रिका)। बांगड़ महाविद्यालय पाली के छात्रसंघ उपाध्यक्ष असगर अली खत्री ने कॉलेज के प्राचार्य से मिलकर पिछले कई वर्षों से SFS की फीस में कटौती नहीं की गई हैं बल्कि हर वर्ष 10% फीस बढ़ाई गई है फीस में कटौती करने के लिए प्राचार्य को ज्ञापन सौंपा। उपाध्यक्ष असगर खत्री ने बताया कि पिछले कई सालों SFS पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं के फीस में काफी ज्यादा शुल्क बढ़ोतरी हुई है जिससे आर्थिक रूप से कमजोर छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में संचालित स्नातक एवं स्नाकोत्तर SFS मैं अधिक फीस होने के कारण प्रवेश का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्राचार्य को ज्ञापन देते समय यह मांग की गई कि छात्र-छात्राओं की फीस में कटौती की जाए जिससे उनको उच्च शिक्षा हासिल करने में किसी प्रकार की कोई कठिनाई न हो।

घिनोई में माधव दास जी महाराज आश्रम में जयपुर जिला देहात यादव महासभा एवम् तहसील अध्यक्ष बैठक का आयोजन

-घिनोई व ग्राम कानपुरा के इकाई के नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का सम्मान व शपथ ग्रहण करवा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत धिनोई के स्थित माधव दास जी महाराज का मंदिर परिसर में जयपुर जिला के अध्यक्ष डॉक्टर जगदीश प्रसाद खातोदिया की अध्यक्षता में जिला सदस्यों एवं तहसील इकाई के दोनों गांव मे सर्व समिति से इकाई के अध्यक्ष एवं सदस्य कार्यकारिणी गठित की गई। इस मौके पर समाज के अतिथियों ने घिनोई स्थित माधव दास जी महाराज के मंदिर में विराजमान प्रतिमाह पुष्प पुष्प एवं द्विप प्रचलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में जयपुर जिला देहात यादव महासभा के अध्यक्ष जगदीश प्रसाद खातोदिया ने संबोधित करते हुए कहा कि जैसे दो गांवों में जाकर जिला में एवं तहसील के द्वारा गांव-गांव ढाणी ढाणी पहुंचकर समाज के लोगों को एवं महिलाओं को को भी आगे आकर अपना संगठन जरूर बनाएं जिस महिला भी आगे आ सके । हर पंचायत पर एक अध्यक्ष एवं उनकी कार्यकारिणी बनाई जाए जिससे पंचायत स्तर परइकाई के गठन होने से समाज में जो भी समस्या हो उसका निराकरण हो सके। इस मौके पर जयपुर जिला के महिला अध्यक्ष वंदना यादव मैं भी ने भी जिले में एवं चौमूं से यादव समाज के तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर ने भी गांव -गांव पहुंचकर इकाई का गठन किया जा रहा है। इस मौके पर नव में निर्वाचित अध्यक्ष एवं कार्यकारिणी का सम्मान एवं शपथ भी दिलाई गई। जिला अध्यक्ष डॉक्टर खातों दिया ने बताया कि समाज के लोगों को समाज के लिए जागरूक करने भामाशाह बनकर आगे आ रहे हैं जिसे हॉस्टल में रहने वाले छात्राओं को अच्छी सुविधा मिलने की। इस मौके पर राम महायज्ञ समिति व जीएसएस के अध्यक्ष ओमप्रकाश भाखरिया और गोवर्धन इंडस्ट्री के डायरेक्टर गिरधारी लाल जडवाल ने चौमूं तहसील यादव समाज के हॉस्टल मैं चल रही समस्या को देखते हुए एक-एक कमरे की घोषणा की। इस मौके पर आए हुए यादव समाज के जनप्रतिनिधियों ने दोनों भामाशाहों का साफा व माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। इस मौके पर जयपुर महिला के अध्यक्ष वंदना यादव, गोविंदगढ़ पंचायत समिति के प्रधान रामस्वरूप यादव, जिला के कोषाध्यक्ष भीम सिंह ठोठवाल, उपाध्यक्ष रामस्वरूप डागर, बंशीधर मंडल, यादव समाज के चौमू तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर के द्वारा भी ईकाई गठन किया जिसमें, उपाध्यक्ष कानाराम खातोदिया, सचिव पद रामचंद्र राबड, सहितो को मनोनीत सदस्य गणो को मौके पर शपथ दिलाई गई। इस मौके पर समाज के यादव बंधू एवं महिला एन सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे ।

सवाई माधोपुर नगर परिषद क्षेत्र में सफाई व्यवस्था ध्वस्त, नागरिक परेशान

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद क्षेत्र में इन दिनों सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है, जिससे आमजन भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। शहर के अंसारी मोहल्ला, बरकत कॉलोनी,गलता रोड,खंगार मोहल्ला, मिर्जा मोहल्ला, सौरती बाजार सहित अनेक क्षेत्रों में नगर परिषद द्वारा संचालित कचरा संग्रहण वाहन कई दिनों से नियमित रूप से नहीं आ रहे हैं। न तो इन वाहनों के आने का कोई तय समय है और न ही कोई नियमित व्यवस्था। स्थानीय लोगों का कहना है कि कभी-कभार वाहन आते भी हैं तो कई दिनों तक दोबारा नहीं दिखाई देते। इस लापरवाही के चलते गलियों और घरों के बाहर कचरे के ढेर लग गए हैं, जिससे दुर्गंध फैल रही है और वातावरण अस्वस्थ हो गया है। कई स्थानों पर सीवरेज चेंबर से गंदा पानी बाहर बह रहा है, जिससे मच्छर-मक्खियों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही बीमारियों के फैलने का खतरा मंडरा रहा है। क्षेत्रवासियों ने नगर परिषद प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से नियमित कचरा संग्रहण व्यवस्था बहाल की जाए, सीवरेज की सफाई व मरम्मत की जाए और सफाई व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों की जवाबदेही तय की जाए।

असरारउद्दीन पार्षद वार्ड संख्या 42 के पार्षद ने बताया कि सफाई कर्मी से सफाई करने को कहने पर वह यह कहकर पल्ला झाड़ लेते हैं कि यह उनका काम नहीं है, उन्हें वेतन नहीं मिल रहा है और दो-दो वार्डों में काम सौंप रखा गया है, जबकि सरकारी कर्मचारी आते ही नहीं। महीनों से कचरा ढोने वाली गाड़ियां व ऑटो-टीपर बंद पड़ी हैं। फोन करने पर कभी 'गाड़ी पंचर' तो कभी 'शीशा टूटा' बताकर बहाना बना दिया जाता है। सेवानिवृत्त हो चुके कर्मचारियों के स्थान पर अब तक नए कर्मचारी नियुक्त नहीं किए गए हैं, जिससे स्थिति और बिगड़ गई है।

सवाई माधोपुर के शेरपुर में बच्चो ने निकाली तिरंगा रैली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शेरपुर गांव के विद्यार्थियों ने आज हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत तिरंगा रैली निकाली। नफीस अहमद शारीरिक शिक्षक ने बताया कि रैली में बालकों ने अपने हाथों में तिरंगा लेकर के देशभक्ति नारे लगाते हुए पूरे गांव में रैली निकालकर देशभक्ति का संदेश दिया। प्रधानाचार्य निशु अग्रवाल ने विद्यालय से रैली को रवाना किया जिसमें विद्यालय स्टाफ एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

असित मोदी संग 'तारक मेहता' की 'दयाबेन' को देख खुश हुए यूजर्स

दिशा से कर डाली डिमांड

दिशा वकानी को दर्शक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की दयाबेन के तौर पर खूब पसंद करते हैं। लेकिन यह एक्ट्रेस एक लंबे वक्त से सीरियल में नजर नहीं आ रही हैं। हाल ही में जब सीरियल के प्रोड्यूसर असित मोदी रक्षाबंधन पर दिशा वकानी से मिले तो दर्शकों को उनकी वापसी की उम्मीद जाग गई।हाल ही में सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के प्रोड्यूसर असित मोदी ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिशा वकानी, उनके घर पहुंची हैं। रक्षाबंधन के त्योहार के मौके पर दिशा और असित मोदी की मुलाकात हुई। इस वीडियो को देखकर दिशा वकानी यानी दयाबेन के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। यूजर्स ने असित मोदी की पोस्ट पर दिशा वकानी से एक खास डिमांड कर दी।

यूजर्स चाहते हैं सीरियल में लौटे आएं दिशा वकानी, दिए ये रिएक्शन

असित मोदी की रक्षाबंधन वाली पोस्ट पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिया है। दिशा वकानी से शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में वापस आने की रिक्वेस्ट उनके फैंस कर रहे हैं। एक यूजर लिखता है, 'अब रक्षाबंधन पर अपने भाई को तोहफा दीजिए, शो में वापस आकर।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप शो में वापस आ जाओ, आपके बिना शो देखने में मन नहीं लगता है।' एक अन्य यूजर ने भी लिखा, 'जल्दी शो में वापस आ जाइए।' अब देखना होगा कि क्या दिशा वकानी शो में दयाबेन के रोल में वापस आती हैं या नहीं।

दयाबेन का किरदार क्यों हुआ फेमस

सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में दयाबेन का किरदार दिशा वकानी निभाती थीं। यह किरदार सीरियल में जेठालाल की पत्नी का था। जेठालाल और दयाबेन की नोक-झोंक दर्शकों को पसंद आती थी। वहीं दयाबेन का हंसने गरबा करने का तरीका भी दर्शकों के चेहरे पर हंसी ले आता था।

असित मोदी ने लिखी इमोशनल पोस्ट

असित मोदी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें दिशा वकानी उन्हें राखी बांध रही हैं। इस वीडियो को पोस्ट करने के साथ असित ने एक इमोशनल मैसेज भी लिखा है, 'वह लिखते हैं, 'कुछ रिश्ते किस्मत बुनती है। दिशा वकानी से खून का नहीं, दिल का नाता है। वह सिर्फ हमारी 'दया भाभी' नहीं, बल्कि मेरी बहन है। कई साल से हंसी, यादें और अपनापन बांटते हुए ये रिश्ता स्क्रीन से कहीं आगे बढ़ चुका है। इस राखी पर, वही अटूट भरोसा और वही गहरा अपनापन फिर से महसूस हुआ ।ये बंधन हमेशा यूं ही अपनी मिठास और मजबूती के साथ बना रहे।'

मेरी फिल्मों से कुछ बड़े स्टूडियो डरते हैं...

सुदीप्तो सेन की द केरला स्टोरी को 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक और सर्वश्रेष्ठ छायांकन जैसे दो अहम सम्मान मिले। लव जिहाद जैसे विवादास्पद विषय पर बनी इस फिल्म ने 2023 में शानदार प्रदर्शन किया था। पेश है सुदीप्तो से इंटरव्यू के खास अंश...

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर सुदीप्तो सेन ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा... मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा। द केरला स्टोरी के बाद मैंने बस्तर पर काम किया। मैं तो अपनी टीम के लिए अवॉर्ड की उम्मीद कर रहा था लेकिन जब मुझे व्यक्तिगत रूप से यह सम्मान मिला है तो मैं आश्चर्यचकित हूं। बस्तर पर फिल्म बनाने की मेरी इच्छा पिछले 10 सालों से थी। इसके अलावा मेरी अगली फिल्म चरक अक्टूबर में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म आस्था और अंधविश्वास पर आधारित एक सच्ची घटना से प्रेरित है, जिसमें अंजलि पाटिल और शशि भूषण जैसे कलाकार हैं। यह फिल्म बिहार, बंगाल, असम, और ओडिशा के उन क्षेत्रों के बारे में है जहां चरक मेला में पहले इंसान की बलि दी जाती थी। इस गंभीर विषय पर भी मैं बहुत समय से फिल्म बनाना चाहता था। द केरला स्टोरी को लेकर हुई आलोचनाओं पर सुदीप्तो ने कहा... फिल्म को 25 करोड़ से ज्यादा दर्शकों ने पसंद किया। इनमें 20 करोड़ ओटीटी पर रहे, बारी थिएटर्स और टीवी पर। मैं उन लोगों की राय को खारिज करता हूं जो फिल्म को बिना देखे ही इसे विभाजनकारी बताते हैं। सेंसर बोर्ड और सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म को हरी झंडी दी थी, इसलिए किसी को भी इस पर बिना देखे राय नहीं बनानी चाहिए। 25 करोड़ से ज्यादा दर्शक गलत तो नहीं हो सकते हैं।

बड़े स्टार्स के साथ काम नहीं करना है...

सुदीप्तो ने स्वीकार किया कि द केरला स्टोरी जैसी बड़ी हिट देने के बाद भी बड़े प्रोडक्शन हाउस और स्टूडियो उनसे दूरी बनाए रखते हैं। वे कहते हैं... बड़े स्टूडियोज हार्ड हिटिंग विषयों पर बात करने से डरते हैं। मैं कंटेंट-ड्रिवन फिल्मों को प्राथमिकता देता है और बड़े स्टार्स के साथ काम करने में मेरी रुचि नहीं है। मुझे आमिर खान या अक्षय कुमार के लिए फिल्म नहीं बनानी, मुझे अपनी कहानी कहनी है। कांतारा और सैराट जैसी फिल्में रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट के मामले में बेस्ट हैं। हमारी फिल्म ने 19 करोड़ रुपए खर्च करके 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई की, तो इसका रेट ऑफ इंटरेस्ट 1400% से ज्यादा है।

'सिनेमा पर ज्यादा ध्यान देना जरूरी हैं', फिल्म फेस्टिवल्स की अहमियत पर बोले अन्नू कपूर

अभिनेता अन्नू कपूर ने हाल ही फिल्मों के समाज पर प्रभाव को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म फेस्टिवल्स जैसे इवेंट्स को भी सराहा। शाहरुख खान को भी नेशनल अवॉर्ड मिलने पर उन्होंने अपनी राय जाहिर की।

अभिनेता अन्नू कपूर रविवार को दिल्ली में सेलिब्रेटिंग इंडिया फिल्म फेस्टिवल के समापन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने फिल्म फेस्टिवल की अहमियत पर बात की। वह चाहते हैं कि दिल्ली जैसे शहर के अपने फिल्म फेस्टिवल भी हों, जिससे सिनेमा को बढ़ावा मिले।

फिल्मों से हमारे युवा जुड़ पाते हैं

एएनआई से की गई बातचीत में अन्नू कपूर कहते हैं, 'फिल्म फेस्टिवल के कई फायदे हैं। फिल्में हमारे लोगों के मनोरंजन का एक अहम जरिया हैं। जो लोग ऐसे फिल्म फेस्टिवल आयोजित करते हैं, वे ऐसी फिल्मों को इसमें शामिल करते हैं, जिन्हें लोग सिनेमाघरों में नहीं देख पाते। जिन्होनें सार्थक फिल्में बनाई हैं, लेकिन कम बजट के कारण उन्हें ठीक से रिलीज नहीं किया गया है। ऐसे में फिल्म फेस्टिवल के मंच इन फिल्मों को मौका देते हैं। इनसे हमारे युवा युवा भी जुड़ते हैं।'

अन्नू कपूर आगे कहते हैं, 'अब मुझे लगता है, एक समय आएगा जब कम से कम दिल्ली में ही, साउथ दिल्ली और नॉर्थ वेस्ट दिल्ली का अपना अलग फिल्म फेस्टिवल होगा। यह बहुत अच्छी बात होगी क्योंकि हम यह जानते हैं क्रिकेट और सिनेमा, हमारे देश के एंटरटेनमेंट का अहम जरिया हैं। इसलिए इन पर ज्यादा ध्यान देना बहुत जरूरी है।'

फिल्म की सफलता में राइटर की भूमिका सबसे अहम होती है

अभिनेत्री सैयामी खेर ने फिल्मों के बाद वेब सीरीज की दुनिया में भी अपनी खास पहचान बनाई है। हाल ही में वह नीरज पांडे की स्पेशल ऑप्स के दूसरे सीजन में नजर आई। सैयामी ने खास बातचीत में अपने अनुभव को लेकर कई बातें साझा कीं।

स्पेशल ऑप्स के साथ मेरा सफर करीब 6-7 साल पहले शुरू हुआ था। इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह थी कि मुझे नीरज पांडे सर जैसे निर्देशक के साथ काम करने का मौका मिला। हर अभिनेता की एक ख्वाहिश होती है कि वो कुछ खास निर्देशकों के साथ जरूर काम करे और मेरी उस लिस्ट में नीरज सर का नाम हमेशा से रहा है। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि उनके विजन में गजब की स्पष्टता होती है। उन्हें बहुत अच्छे से पता होता है कि उन्हें सेट पर क्या चाहिए और कैसे चाहिए। नीरज सर बेहद शांत स्वभाव और फोकस्ड सोच रखने वाले व्यक्ति हैं। वह टीम को बहुत ही सहजता और संतुलन के साथ हैंडल करते हैं। हम दोनों को क्रिकेट का शौक है, तो बुडापेस्ट में शूटिंग के थकान भरे दिनों में भी हम क्रिकेट पर मजेदार बातें किया करते थे। नीरज सर के साथ काम करना सिर्फ एक प्रोफेशनल एक्सपीरियंस नहीं बल्कि एक ट्रीट की तरह होता है जैसे किसी मजेदार पिकनिक पर जाना। मेरे हिसाब से एक्शन सीन में उतनी ही मेहनत लगती है, जितनी किसी डांस सीन में। एक्टर को एक्शन के लिए भी अच्छी खासी रिहर्सल करनी पड़ती है। हमारे एक्शन डायरेक्टर्स बुडापेस्ट से थे.

प्री-प्रोडक्शन फेज में है नैचुरल स्टार नानी की फिल्म ब्लडी रोमियो

साउथ के नैचुरल स्टार नानी जल्द ही एक नई एक्शन ड्रामा फिल्म ब्लडी रोमियो में नजर आएंगे। इसका निर्देशन साहो फेम सुजीत कर रहे हैं। यह फिल्म फिलहाल प्री-प्रोडक्शन फेज में है और अगले साल रिलीज होनी है। नानी फिलहाल श्रीकांत ओडेला की एक और एक्शन ड्रामा फिल्म द पैराडाइज की शूटिंग कर रहे हैं, वह भी अगले साल गर्मियों में रिलीज होगी। वहीं सुजीत अभी पवन कल्याण की फिल्म ह्रत के पोस्ट-प्रोडक्शन में व्यस्त हैं। ह्रत की रिलीज के बाद वे इस प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट तैयार हो चुकी है और अब कास्ट और तकनीकी टीम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नानी खुद इस फिल्म की तैयारियों पर नजर बनाए हुए हैं। श्याम सिंघा रॉय के प्रोड्यूसर वेंकट बोयनापल्ली इस फिल्म को निहारिका एंटरटेनमेंट के बैनर तले प्रोड्यूस करेंगे। फिल्म की शूटिंग फरवरी 2026 से शुरू होने की संभावना है। साथ ही नानी ने ये संकेत दिए हैं कि कार्थिक सुब्बराज के साथ भी उनकी एक फिल्म की चर्चा चल रही है।

अलग-अलग इंडस्ट्री में काम करके मुझे एक नया नजरिया मिला

अपूर्वा अरोड़ा ने 13 साल की उम्र में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। अब तक वह हिंदी, पंजाबी, कन्नड़ और गुजराती फिल्मों में काम कर चुकी हैं बातचीत में उन्होंने अपने शुरुआती दिनों की चुनौतियों के बारे में बताया। साथ ही यह भी साझा किया कि आने वाले समय में वह किन-किन प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगी।

आपने चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर करियर की शुरुआत की और अब लीड एक्ट्रेस के तौर पर काम कर रही हैं। यह सफर कैसा रहा?

सच कहूं तो मैंने कभी ये सोचा नहीं था कि चाइल्ड आर्टिस्ट के बाद मैं एक दिन लीड एक्ट्रेस बनूंगी। जब मैंने शुरुआत की थी, तब फिल्मों के बारे में मुझे ज्यादा समझ नहीं थी। बस उस वक्त मैं हर चीज को एंजॉय करती थी। जैसे सुबह जल्दी उठकर सेट पर जाना, मेकअप करवाना, स्क्रिप्ट मिलना और फिर शूट करना। उस समय ये भी दिमाग में चलता था कि क्या मुझे एक्टिंग को करियर के तौर पर आगे जारी रखना है या नहीं। लेकिन धीरे-धीरे जब समझ आई और अनुभव बढ़ा, तब एहसास हुआ कि यही मेरा पैशन है और मुझे एक्टिंग ही करनी है। अब जब पीछे मुड़कर देखती हूं, तो खुशी होती है कि मैंने सही फैसला लिया। ये सफर बहुत कुछ सिखाने वाला रहा है।

आपने कन्नड़, पंजाबी, हिंदी और गुजराती सिनेमा में काम किया है। आपने अपने करियर को किस तरह दिशा दी?

सच कहूं तो मैंने अपने करियर को कोई खास दिशा देने की कोशिश नहीं की। मैं बस काम करती गई और रास्ते में लोग मिलते गए, मौके मिलते गए, और चीजें होती चली गईं। शुरुआत में मेरी सोच ये थी कि किसी भी काम को बिना कोशिश किए मना नहीं करना है। मेरी डिक्शनरी में ना कहना बहुत कम था। हां, जब मैं थोड़ी बड़ी हुई, तब कुछ प्रोजेक्ट्स को जरूर मना किया। लेकिन वो भी सोच-समझकर। मेरे लिए ये हमेशा जरूरी रहा कि अगर कोई मौका मिल रहा है, तो मैं उसे हाथ से जाने न दूं, क्योंकि मेरे पास ज्यादा विकल्प नहीं थे।

कोर्टरूम ड्रामा सीरीज द ट्रायल 2 काजोल में फिर से नजर आएंगी

काजोल की वेब सीरीज द ट्रायल को काफी पसंद किया गया था। इसमें उनके काम को भी खूब सराहा गया। 14 जुलाई 2023 को जियो हॉटस्टार पर रिलीज हुई इस सीरीज के जरिए एक्ट्रेस ने ओटीटी की दुनिया में कदम रखा था। अब करीब 2 साल बाद द ट्रायल के सीक्वल की अनाउंसमेंट हो गई है, जिसके निर्देशन की कमान उमेश बिष्ट ने संभाली है। काजोल एक बार फिर नयोनिका सेनगुप्ता बनकर लौट रही हैं। पहले सीजन में नयोनिका एक ऐसी महिला के रूप में सामने आई थीं, जिसने अपने पति के लिए अपना वकालत करियर छोड़ दिया था लेकिन जब वही पति एक स्कैम में फंस गया और उसकी सच्चाई सामने आई, तब नोयोनिका को न सिर्फ अपने करियर बल्कि अपनी खुद्दारी के लिए भी लड़ना पड़ा। ये सिर्फ कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि आत्मसम्मान, रिश्तों और वफादारी की भी परीक्षा थी। बता दें कि द ट्रायल 2 की रिलीज डेट से भी परदा उठ गया है। ये सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी। मेकर्स ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। काजोल की ये वेब सीरीज 19 सितंबर को रिलीज होगी ।

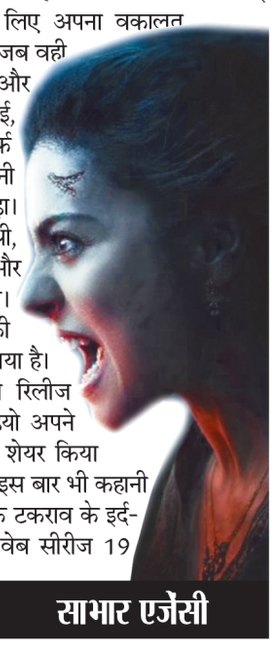

साभार एजेंसी

वनडे सीरीज : वेस्टइंडीज ने लिया बदला, पाकिस्तान को 5 विकेट से हराया, सीरीज 1-1 से बराबर

एजेंसी ▶▶ तारूबा (त्रिनिदाद और टोबैगो)

- जेडन सील्स ने सात ओवरों में 23 रन देकर तीन विकेट लिए
- चेज ने 2 छक्कों और एक विजयी चौके की मदद से बनाए नाबाद 49 रन

रोस्टन चेज और जस्टिन ग्रीव्स की उपयोगी पारियों की मदद से वेस्टइंडीज ने बारिश से प्रभावित दूसरे एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते हुए पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी।

पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 37 ओवर में सात विकेट पर 171 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेडन सील्स ने सात ओवरों में 23 रन देकर तीन विकेट लिए। बारिश के व्यवधान के कारण वेस्टइंडीज के सामने डकवर्थ लुईस पद्धति के तहत 35 ओवर में 181 रन बनाने का लक्ष्य रखा गया। चेज ने 47 गेंदों पर दो छक्कों और एक विजयी चौके की मदद से नाबाद 49 रन बनाए, जिससे वेस्टइंडीज 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर जीत हासिल करने में सफल रहा।

चेज और ग्रीव्स ने की 77 रन की अटूट साझेदारी

त्रिनिदाद और टोबैगो के तारूबा स्थित ब्रायन लारा स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज का स्कोर 18 ओवर में तीन विकेट पर 101 रन था, जो 24 ओवर में पांच विकेट पर 111 रन हो गया। इसमें शेरफेन रदरफोर्ड का विकेट भी शामिल था, जिन्होंने 33 गेंदों में तीन छक्कों और चार चौकों की मदद से 45 रन बनाए। चेज और ग्रीव्स (31 गेंदों पर 26 रन) ने छठे विकेट के लिए 77 रन की अटूट साझेदारी करके टीम को लक्ष्य तक पहुंचा। इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। हसन नवाज ने एक बार फिर पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और 30 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए। उन्होंने पहले वनडे में नाबाद 63 रन बनाए थे। हसन की रविवार की पारी में तीन छक्के शामिल थे। इनमें से दो छक्के उस ओवर में लगे जो बारिश के बाद पाकिस्तान की पारी का आखिरी ओवर साबित हुआ। हुसैन तलत ने 32 गेंदों पर 31 रन बनाए। पाकिस्तान के अधिकतर बल्लेबाजों में धीमी बल्लेबाजी की। इनमें कप्तान मोहम्मद रिजवान भी शामिल थे, जिन्होंने 38 गेंद पर 16 रन बनाए।

अंतिम मैच आज

पाकिस्तान ने शुक्रवार को पहले एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया था। तीसरा और अंतिम मैच मंगलवार को इसी स्टेडियम में खेला जाएगा। पाकिस्तान ने इससे पहले वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में खेली गई पिछली टी-20 श्रृंखला 2-1 से जीती थी।

खबर संक्षेप

लंदन चैंपियनशिप: संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं दीक्षा

लंदन। भारत की दीक्षा डागर सेंचुरियन क्लब में चल रही पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर रहीं। दीक्षा ने शुरुआती नौ होल में तीन बर्डी के साथ अच्छी शुरुआत की लेकिन इसके बाद वह 11वें से 14वें होल के बीच तीन बोगी कर गईं, जिससे उन्होंने पार स्कोर बनाया। उनका कुल स्कोर तीन अंडर 216 रहा। दीक्षा लेडीज यूरोपीय टूर की ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वें स्थान पर हैं। अदिति अशोक (72) पार के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 34वें जबकि प्रणवी उर्स (75) दो ओवर के कुल स्कोर से 44वें स्थान पर रहीं। जर्मनी की लॉरा फन्फस्टक ने कुल 10 अंडर के स्कोर के साथ एक शॉट से खिताब जीता।

मिड-अमेच्योर' चैंपियनशिप में भाग लेंगे चार भारतीय

तांगेरांग (इंडोनेशिया)। भारतीय गोल्फ यूनियन (आईजीयू) ने एशिया-प्रशांत गोल्फ परिसंघ (एपीजीसी) और इंडोनेशिया गोल्फ संघ की ओर से आयोजित पहली

'मिड-अमेच्योर' चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने के लिए चार सदस्यीय टीम भेजी है। मिड-अमेच्योर गोल्फ प्रतियोगिताओं में आम तौर पर ऐसे खिलाड़ी भाग लेते हैं, जो एक आयु सीमा (ज्यादातर देशों में 25 साल) को पार करने के बाद भी अमेच्योर गोल्फ में खेलते हैं। आईजीयू के मौजूदा अखिल भारतीय 'मिड-अमेच्योर' चैंपियन रणजीत सिंह के नेतृत्व वाली भारतीय टीम में अर्जुन सिंह, सिमरजीत सिंह और कर्नल वरुण परमार शामिल हैं। यह टीम 12 से 14 अगस्त तक गाडिंग राया गोल्फ क्लब में इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में भाग लेगी। इस ट्रॉफी के लिए 20 देशों के कुल 80 गोल्फर मुकाबला करेंगे।

जूनियर हॉकी राष्ट्रीय में 30 टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 30 टीमें भाग लेंगी, जो मंगलवार से जालंधर में नए डिवीजन आधारित प्रारुप में खेली जाएगी। नया प्रारुप

इस वर्ष के शुरू में सीनियर और सब जूनियर पुरुष, महिला तथा जूनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पहले ही लागू किया जा चुका है। भाग लेने वाली 30 टीमों को डिवीजन 'ए', डिवीजन 'बी' और डिवीजन 'सी' में विभाजित किया गया है। इसमें अपने से शीर्ष डिवीजन में जगह बनाने और निचले डिवीजन में खिसकने का प्रावधान है। डिवीजन 'ए' में देश की 12 सर्वश्रेष्ठ जूनियर पुरुष टीमें शामिल हैं। इनमें गत विजेता पंजाब, उपविजेता उत्तर प्रदेश और तीसरे स्थान पर रहने वाली हरियाणा भी शामिल हैं। इस डिवीजन के पूल मैच 16 अगस्त से शुरू होंगे, जिसके बाद 20 से 23 अगस्त तक क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मैच खेले जाएंगे।

भारतीय टीम के ऐलान से पहले नेशनल क्रिकेट एकेडमी करेगा परीक्षण

एशिया कप 2025: हार्दिक देंगे फिटनेस टेस्ट एनसीए में 1 सप्ताह और रहेंगे सूर्यकुमार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

एशिया कप के लिए भारतीय टीम के ऐलान से पहले ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बेंगलुरु स्थित नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए) में फिटनेस टेस्ट देंगे। इसके अलावा भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव हार्निया की सर्जरी करने के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। वह एनसीए में 1 हफ्ता और गुजारेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार हार्दिक पंड्या का 11 और 12 अगस्त को रुटीन फिटनेस परीक्षण होगा। हार्दिक जुलाई के मध्य से मुंबई में ट्रेनिंग कर रहे हैं। 31 साल के इस खिलाड़ी ने भारत के टी20 वर्ल्ड कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी 2025 जीतने में अहम भूमिका निभाई। पंड्या ने हाल के समय में व्हाइट बॉल में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम को उनसे एशिया कप में भी ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

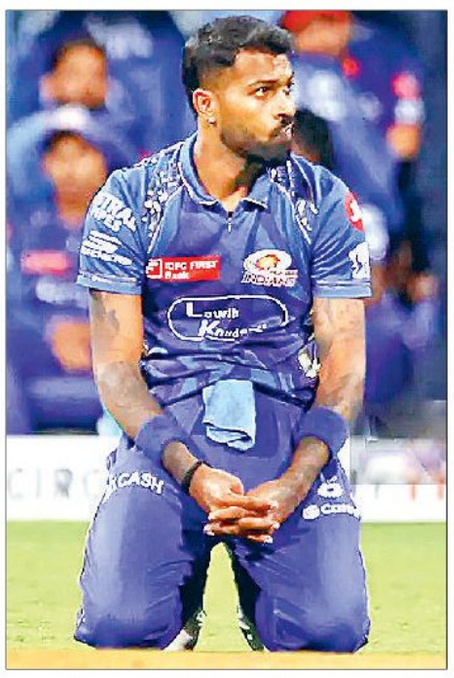

श्रेयस को मिलेगा मौका ?

पंड्या से पहले मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 से 29 जुलाई के बीच अपना फिटनेस टेस्ट दिया था। दिसंबर 2023 से भारत के लिए टी20 नहीं खेले श्रेयस ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स को 2024 में चैंपियन बनाया। एक साल बाद पंजाब किंग्स को आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचाया। यह देखना दिलचस्प होगा कि चयनकर्ता श्रेयस को मौका देते हैं या नहीं।

पूरी तरह से नहीं उबरे यादव

इस बीच भारतीय टीम के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव जून में जर्मनी के म्यूनिख में हुई स्पोर्ट्स हर्निया सर्जरी से अभी तक पूरी तरह से उबर नहीं पाए हैं। जानकारी के अनुसार सूर्या को फिजियो और मेडिकल टीम की निगरानी में पूरी तरह से फिट होने के लिए एनसीए में एक और हफ्ता बिताना होगा। कुछ दिन पहले सूर्यकुमार ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था। इसमें वे एनसीए में बल्लेबाजी का अभ्यास करते हुए दिखे थे।

आईसीसी ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए हम प्रतिबद्ध : हरमनप्रीत

मुंबई। भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है, जिसमें भारत उपविजेता रहा था। हरमनप्रीत ने कहा, 'हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं, जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।' इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, पूर्व कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत की टीम की साथी स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे श्रृंखला जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू श्रृंखला खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

आईसीसी वनडे रैंकिंग

भारतीय टीम पहले नंबर पर काबिज, पाक को नुकसान

एजेंसी ▶▶ दुबई

पाकिस्तानी टीम को आईसीसी रैंकिंग में जबरदस्त नुकसान उठाना पड़ा है। टीम की हालत काफी खराब नजर आ रही है। आईसीसी की वनडे रैंकिंग की बात करें तो इस वक्त भारतीय क्रिकेट टीम पहले नंबर पर है। टीम इंडिया की रेटिंग 124 की है। दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड है और तीसरे पर ऑस्ट्रेलियाई टीम का कब्जा बना हुआ है। इस बीच बात अगर चौथे नंबर की करें तो इस पर पहले पाकिस्तानी टीम हुआ करती थी, जो अब नहीं है। अब नंबर चार पर श्रीलंका की टीम पहुंच गई है। दरअसल खुद श्रीलंका ने तो ऐसा कुछ नहीं किया, जिससे उसे एक पायदान का फायदा मिला हो, पाकिस्तानी टीम वेस्टइंडीज से मैच हार गई है, इसलिए उसे एक स्थान का नुकसान हुआ है।

पाकिस्तानी टीम नंबर पांच पर पहुंची

पाकिस्तानी टीम अभी तक चौथे नंबर पर मौजूद थी, लेकिन अब टीम नंबर पांच पर जा पहुंची है। श्रीलंका की रेटिंग जहां एक ओर 103 की है, वहीं पाकिस्तान की रेटिंग 102 की हो गई है। हालांकि पाकिस्तान के अब यहां से और नीचे जाने की संभावना काफी कम है, क्योंकि नंबर छह पर साउथ अफ्रीका की टीम है, जिसकी रेटिंग 96 की है।

वेस्टइंडीज को एक स्थान का फायदा

वेस्टइंडीज बनाम पाकिस्तान सीरीज का तीसरा मुकाबला अभी बाकी है। इसी मैच के परिणाम से तय होगा कि सीरीज पर कौन सी टीम कब्जा जमाएगी। इस बीच वेस्टइंडीज ने सीरीज का दूसरा मैच अपने नाम किया है, इसलिए उसे फायदा मिलता हुआ दिख रहा है। वेस्टइंडीज की टीम अब एक स्थान की छलांग के साथ नंबर 10 पर जा पहुंची है, जो इससे पहले 11वें स्थान पर हुआ करती थी। बांग्लादेश की टीम नंबर 11 पर चली गई है। आईसीसी ने आखिरी बार इस रैंकिंग को 10 अगस्त तक अपडेट किया है। अब देखना है कि सीरीज जब समाप्त होगी तो रैंकिंग पर क्या असर दिखाई देता है।

फुटबॉल

कम्युनिटी शील्ड पर क्रिस्टल पैलेस का कब्जा, लिवरपूल को हराया

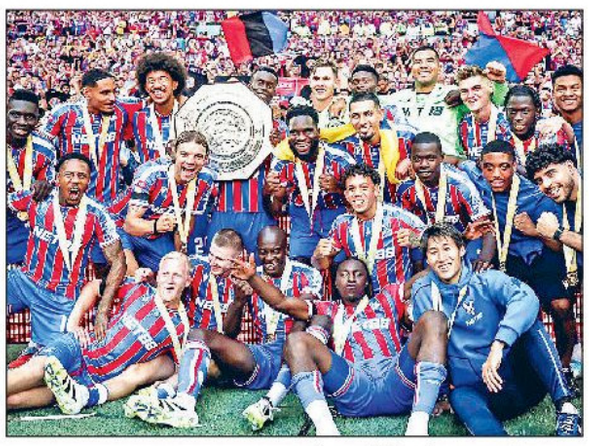

एजेंसी ▶▶ लंदन

क्रिस्टल पैलेस ने इस सत्र में अपना स्वप्निल अभियान जारी रखा और प्रीमियर लीग चैंपियन लिवरपूल को हराकर वेंबली में एक और उलटफेर करते हुए कम्युनिटी शील्ड फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। मई में एफए कप फाइनल में मैनचेस्टर सिटी को उलटफेर का शिकार बनाने के बाद पैलेस ने एक बार फिर कुछ विषम परिस्थितियों से पार पाकर मैच 2-2 से ड्रॉ होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से जीत हासिल की। पैलेस की इस जीत के नायक गोलकीपर डीन हेंडरसन रहे। उन्होंने शूटआउट में दो पेनल्टी बचाई। हेंडरसन ने मैच के बाद कहा, 'यह अविश्वसनीय है। लिवरपूल जीत का प्रबल दावेदार था।

राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता गगनदीप को डोपिंग मामले में मिली तीन साल की सजा

भाषा ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय खेलों में चक्का फेंक के स्वर्ण पदक विजेता गगनदीप सिंह सहित कई खिलाड़ियों को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा तीन साल का प्रतिबंध लगाया गया है। इन खिलाड़ियों ने डोपिंग का आरोप लगने के 20 दिनों के अंदर अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके कारण उनकी सजा चार साल के बजाय तीन साल कर दी गई। सेना का प्रतिनिधित्व करने वाले गगनदीप ने 12 फरवरी को उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों में पुरुषों की चक्का फेंक में 55.01 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह डोपिंग जांच में पॉजिटिव पाये गये। उनके नमूने में 'टेस्टोस्टेरोन मेटाबोलाइट्स' की पुष्टि होने के बाद उन्हें अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। इस 30 साल के खिलाड़ी की प्रतिबंध अवधि की शुरुआत 19 फरवरी 2025 से होगी। खिलाड़ी के पहले अपराध के लिए अधिकतम प्रतिबंध की अवधि चार साल है, लेकिन नाडा नियमों के अनुच्छेद 10.8 (परिणाम प्रबंधन समझौता) के तहत अगर खिलाड़ी अपने अपराध को जल्दी स्वीकार कर लेता है तो उसकी सजा कम हो सकती है। गगनदीप से राष्ट्रीय खेलों का पदक वापस ले लिया जायेगा।

अमेरिकी जिम्नास्टिक चैंपियनशिप...

न्यू ऑरलियन्स। अमेरिकी जिम्नास्टिक चैंपियनशिप के सीनियर महिला फाइनल के बाद ओवरऑल स्वर्ण पदक विजेता हेजली रिवेरा (बीच में), फ्लोरिडा विश्वविद्यालय की रजत पदक विजेता लीन वोंग (बाएं) और वर्ल्ड चैंपियंस सेंटर की कांस्य पदक विजेता जोसलीन रॉबर्सन (दाएं) पोडियम में खुशी मनाती हुईं।

रीतिका ने जीता स्वर्ण, भारत एशियाई अंडर 22 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहा

बैंकॉक। रीतिका ने महिलाओं के 80+ किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किया जिससे भारत ने सोमवार को यहां एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप अंडर -22 वर्ग के पदक तालिका में अपना अभियान चौथे स्थान पर खत्म किया। भारतीय अंडर-22 टीम ने कुल 13 पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया, जबकि अंडर-19 मुक्केबाजों ने कुल 14 पदक (तीन स्वर्ण, सात रजत और चार कांस्य) के साथ तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया। प्रतियोगिता के आखिरी दिन पांच भारतीय मुक्केबाजों में से सिर्फ रीतिका ही भारत को स्वर्ण पदक दिला सकी। वह रक्षण और आक्रमण के शानदार तालमेल से कजाखस्तान की मुक्केबाज असेल तोकतास्यन को मात देकर अंडर-22 वर्ग में भारत को चौथा स्वर्ण पदक दिलाने में सफल रही। यात्री पटेल को महिला 57 किग्रा वर्ग में उज्बेकिस्तान की खुमोराबोनू मामाजोनोवा से हारकर रजत से संतोष करना पड़ा, जबकि 60 किग्रा के फाइनल में चीन की यू तियान को जोरदार टक्कर देने के बावजूद प्रिया को 2-3 के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। नीरज को पुरुष 75 किग्रा फाइनल में उज्बेकिस्तान के शावकतजोन बोल्टायेव से हार का सामना करना पड़ा।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर 2025: अर्जुन के अजेय अभियान पर रोक

सरीन की पहली जीत, बड़ा उलटफेर करते हुए एरिगैसी को हराया

एजेंसी ▶▶ चेन्नई

निहाल सरीन ने चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 में अपनी पहली जीत दर्ज करते हुए बड़ा उलटफेर कर दिया। उन्होंने चौथे राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराकर उनके अजेय अभियान पर रोक लगा दी। वहीं, जर्मन ग्रैंडमास्टर विंसेंट केमर ने डच स्टार अनीश गिरी से ड्रॉ खेलते हुए चार मैचों की अजेय लय बरकरार रखी। अंकतालिका में उनकी बढ़त कायम है।

चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2025 का ये तीसरा सीजन है, जिसे भारत का सबसे मजबूत क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट माना जाता है। एमजीडी-1 की ओर से आयोजित इस टूर्नामेंट में मास्टर्स और चैलेंजर्स नाम से दो 10-खिलाड़ियों के राउंड रॉबिन वर्ग शामिल हैं, जिसे 9 राउंड में 10 दिनों तक खेला जाएगा।

जर्मन ग्रैंडमास्टर विंसेंट केमर की विजयी लय बरकरार

मास्टर्स विजेता को मिलेंगे 25 लाख रुपए

कुल एक करोड़ रुपए की इनामी राशि में मास्टर्स विजेता को 25 लाख रुपए, चैलेंजर्स विजेता को 7 लाख रुपए और 2026 मास्टर्स में सीधी जगह मिलेगी। इसके अलावा टूर्नामेंट मास्टर्स विजेता को 2026 कैंडिडेट्स क्वालिफिकेशन के लिए 24.5 फिडे सर्किट अंक भी मिलेंगे। निहाल की अर्जुन एरिगैसी पर जीत एक तनावपूर्ण और रणनीतिक मुकाबले के बाद आई, जिसकी शुरुआत रेती ओपनिंग से हुई थी, जहां अर्जुन ने अपने हमवतन के सेटअप की नकल की। शतरंज के दिग्गज विश्वनाथन आनंद कमेंट्री बॉक्स में मौजूद थे, जो फैंस को एक अनोख लाइव अनुभव दे रहे थे। खेल धीमी गति से आगे बढ़ा और 15वीं चाल पर अर्जुन ने पहला मोहरा अपने नाम किया। वहीं निहाल को बढ़त बनाने का मौका मिला और उन्होंने 70वी चाल पर जीत दर्ज कर 2025 सीजन में अपनी पहली सफलता हासिल की। इसी बीच मुरली कार्तिकेयन ने भी प्रभावित किया। वह जॉर्डन वैन फॉरेस्ट को हराकर अंकतालिका में ऊपर चढ़ गए।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा – "एमपी सरकार सो रही है क्या?" : 6 साल से OBC के 13% होल्ड पदों पर कोई कार्रवाई नहीं

-अंतिम सुनवाई 23 सितंबर को

भोपाल। मध्य प्रदेश में ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) आरक्षण को लेकर वर्षों से चल रहा विवाद अब अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार से कड़ा सवाल पूछा है कि आखिर पिछले छह वर्षों में उसने आरक्षण संबंधी होल्ड पड़े पदों के समाधान के लिए क्या ठोस कदम उठाए हैं। कोर्ट ने साफ संकेत दिया है कि अब इस मामले को और लंबा नहीं खींचा जाएगा, और अंतिम सुनवाई 23 सितंबर 2025 को होगी।

पृष्ठभूमि – विवाद की जड़

मध्य प्रदेश में ओबीसी वर्ग को 27% आरक्षण देने का मामला 2019 से कानूनी और राजनीतिक विवाद में फंसा हुआ है। इससे पहले राज्य में ओबीसी को 14% आरक्षण मिलता था, जिसे 2019 में बढ़ाकर 27% कर दिया गया। लेकिन इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई। हाईकोर्ट ने अंतरिम आदेश देकर नए 27% आरक्षण को रोक दिया और निर्देश दिया कि तब तक पुराने 14% आरक्षण को ही लागू किया जाए। साथ ही, आरक्षण सीमा 50% से अधिक न हो – इस संवैधानिक प्रावधान का भी हवाला दिया गया। इस रोक के चलते, विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में 13% पद "होल्ड" की स्थिति में रखे गए ताकि भविष्य में कोर्ट के आदेश के अनुसार उन्हें भरा जा सके।

सुप्रीम कोर्ट की नाराज़गी

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा – "राज्य सरकार 6 साल से कह रही है कि मामला हल होगा, लेकिन अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। क्या सरकार सो रही है?" कोर्ट ने सरकार के वकील से पूछा कि यदि यह मामला इतने सालों से लंबित है, तो अब तक ओबीसी के सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण और कानूनी प्रक्रिया क्यों पूरी नहीं की गई।

होल्ड पड़े पद – सरकारी तंत्र पर असर

इन 13% होल्ड पदों का असर कई विभागों की कार्यक्षमता पर पड़ा है। सरकारी नौकरियों में भर्ती की प्रक्रिया धीमी हो गई, जिससे प्रशासनिक कामकाज प्रभावित हुआ। विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास विभाग में स्टाफ की कमी महसूस की जा रही है। कई उम्मीदवारों का कहना है कि वे वर्षों से चयन सूची में हैं, लेकिन "होल्ड" की वजह से नियुक्ति का इंतज़ार कर रहे हैं। इसका सीधा असर युवाओं के करियर और रोजगार अवसरों पर पड़ रहा है।

सरकार का पक्ष

राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि – सर्वेक्षण कार्य में कोविड-19 महामारी और प्रशासनिक बाधाओं के कारण देरी हुई। अब एक विस्तृत ओबीसी जनगणना रिपोर्ट तैयार हो रही है, जिसे कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार की मंशा है कि ओबीसी को उनका संवैधानिक और कानूनी हक मिले, लेकिन यह प्रक्रिया कानून के दायरे में रहकर ही पूरी होगी।

याचिकाकर्ताओं के तर्क

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि – सरकार ने जानबूझकर सर्वेक्षण और कानूनी औपचारिकताओं में देरी की है। ओबीसी को उनका पूरा आरक्षण न मिलने से सामाजिक न्याय की अवधारणा प्रभावित हो रही है। होल्ड पद लंबे समय से खाली रहने से राज्य के हजारों युवाओं का भविष्य अधर में है।

संवैधानिक पहलू

भारत के संविधान के अनुसार – आरक्षण की सीमा सामान्यतः 50% से अधिक नहीं हो सकती (इंदिरा साहनी बनाम भारत सरकार, 1992 का निर्णय)। किसी भी आरक्षण बढ़ोतरी के लिए पर्याप्त सांख्यिकीय और सामाजिक-आर्थिक डेटा आवश्यक है। यदि कोई राज्य 50% से अधिक आरक्षण देता है, तो उसे विशेष परिस्थितियों का प्रमाण देना होगा। मध्य प्रदेश के मामले में, पहले से ही अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) को कुल 36% आरक्षण है। ओबीसी के लिए 27% जोड़ने पर यह सीमा 63% हो जाती है, जिसे लेकर कानूनी विवाद बना हुआ है।

23 सितंबर – निर्णायक दिन

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगली सुनवाई 23 सितंबर को होगी और यह अंतिम सुनवाई मानी जाएगी। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि सरकार तैयार नहीं हुई, तो अदालत खुद आदेश पारित कर सकती है, जिससे भर्ती प्रक्रिया में और देरी न हो।

जस्टिस वर्मा पर महाभियोग प्रस्ताव लोकसभा में मंजूर

-गंभीर आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय समिति गठित

नई दिल्ली। न्यायपालिका की स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच संतुलन को लेकर देश की संसद में मंगलवार को एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया। लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। स्पीकर ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए गंभीर आरोपों की जांच के लिए 3 सदस्यीय समिति गठित की है। स्पीकर ने स्पष्ट कहा कि लगाए गए आरोपों की प्रकृति गंभीर है और यदि वे सही पाए जाते हैं, तो पद से हटाने की कार्रवाई जरूरी होगी।

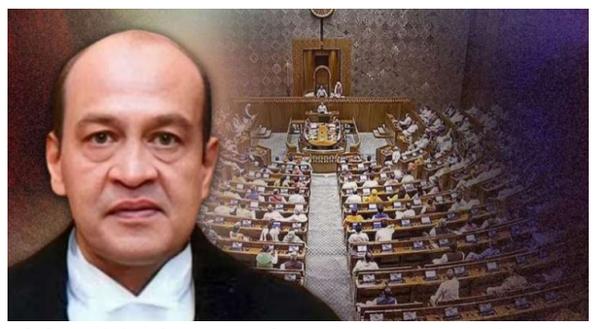

क्या है मामला?

जस्टिस वर्मा, जो वर्तमान में एक उच्च न्यायालय में वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में कार्यरत हैं, पर कई गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इनमें न्यायिक कर्तव्य के निर्वहन में गंभीर लापरवाही, पद का दुरुपयोग, वित्तीय अनियमितताएं और कुछ मामलों में पक्षपात जैसे मुद्दे शामिल हैं। विपक्षी दलों के कुछ सांसदों ने इस संबंध में पर्याप्त दस्तावेज और सबूतों के साथ लोकसभा अध्यक्ष को महाभियोग प्रस्ताव सौंपा था।

महाभियोग की प्रक्रिया

संविधान के अनुच्छेद 124(4) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, किसी भी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उनके पद से हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसके लिए संसद के किसी भी सदन में प्रस्ताव लाया जाता है, जिसे न्यूनतम निर्धारित संख्या में सांसदों का समर्थन प्राप्त होना चाहिए। प्रस्ताव स्वीकार होने के बाद, स्पीकर या सभापति एक तीन सदस्यीय समिति बनाते हैं, जिसमें एक सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश, एक उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और एक प्रख्यात विधि विशेषज्ञ शामिल होते हैं। यह समिति आरोपों की जांच करती है और अपनी रिपोर्ट संसद को सौंपती है। यदि रिपोर्ट में आरोप सिद्ध होते हैं, तो दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित होने पर राष्ट्रपति न्यायाधीश को पद से हटा सकते हैं।

स्पीकर का बयान

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा, "यह लोकतंत्र में न्यायपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने का संवैधानिक प्रावधान है। किसी भी व्यक्ति, चाहे वह कितना भी उच्च पद पर हो, कानून से ऊपर नहीं है। आरोप गंभीर हैं, इसलिए जांच आवश्यक है। समिति निष्पक्ष तरीके से सभी तथ्यों की जांच करेगी।"

गठित 3 सदस्यीय समिति

स्पीकर द्वारा गठित समिति में शामिल हैं: न्यायमूर्ति आर.के. शर्मा – सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश मुख्य न्यायाधीश सीमा घोष – एक प्रमुख उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद मेहता – संवैधानिक और आपराधिक कानून के विशेषज्ञ यह समिति आने वाले तीन महीनों में आरोपों की विस्तृत जांच कर अपनी रिपोर्ट लोकसभा अध्यक्ष को सौंपेगी।

राजनीतिक प्रतिक्रिया

महाभियोग प्रस्ताव पर संसद में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। विपक्षी दलों ने इसे न्यायपालिका में पारदर्शिता लाने की दिशा में बड़ा कदम बताया, वहीं सत्ता पक्ष ने कहा कि यह प्रक्रिया न्यायिक स्वतंत्रता को ठेस पहुंचाने के लिए नहीं, बल्कि न्यायिक जवाबदेही तय करने के लिए है।

कुछ सांसदों ने चिंता जताई कि इससे न्यायपालिका पर दबाव बनाने का खतरा हो सकता है, लेकिन अधिकांश का मानना है कि गंभीर आरोपों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक संस्थाओं के लिए हानिकारक होगा।

महाभियोग की दुर्लभता

भारत के न्यायिक इतिहास में महाभियोग की प्रक्रिया बेहद दुर्लभ है। अब तक सिर्फ कुछ ही मामलों में यह प्रक्रिया शुरू हुई है, और उनमें भी अधिकांश मामलों में प्रस्ताव पारित होने से पहले न्यायाधीश ने स्वेच्छा से इस्तीफा दे दिया। इसका कारण यह है कि महाभियोग में आरोप साबित करना और दोनों सदनों में भारी बहुमत पाना कठिन होता है।

आगे का रास्ता

अब समिति सबूतों, गवाहों और दस्तावेजों की जांच करेगी। जस्टिस वर्मा को भी अपने पक्ष में सफाई पेश करने का पूरा अवसर दिया जाएगा। यदि समिति की रिपोर्ट में आरोप सही पाए जाते हैं, तो संसद में अंतिम वोटिंग होगी। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला न्यायपालिका और विधायिका के रिश्तों की संवेदनशील परीक्षा है।

वोटर लिस्ट में नेशनल लेवल पर गड़बड़ी: राहुल गांधी बोले- "पिक्चर अभी बाकी है"

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को देशभर में मतदाता सूची (Voter List) से जुड़ी गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि यह केवल किसी एक निर्वाचन क्षेत्र या राज्य तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सुनियोजित तरीके से हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा – "पिक्चर अभी बाकी है... आने वाले दिनों में हम इससे जुड़ी और भी सच्चाई जनता के सामने लाएंगे।"

कई सीटों पर मिली गड़बड़ियां

राहुल गांधी का यह बयान उस समय आया है, जब कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के कई नेताओं ने विभिन्न राज्यों में वोटर लिस्ट में नाम गायब होने, एक ही व्यक्ति के नाम के दो-दो पते होने और मृत लोगों के नाम सूची में बने रहने जैसी शिकायतें की हैं। उनका कहना है कि इन गड़बड़ियों का सीधा असर चुनावी नतीजों पर पड़ सकता है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस की जांच टीम ने बीते कुछ हफ्तों में कई राज्यों से साक्ष्य जुटाए हैं, जिनमें यह सामने आया कि – मतदाता सूची में डुप्लीकेट नाम दर्ज हैं। बड़ी संख्या में युवा वोटरों के नाम गायब हैं। कई स्थानों पर मृत लोगों के नाम अब भी सूची में मौजूद हैं। कुछ इलाकों में जानबूझकर वोटरों को दूसरे निर्वाचन क्षेत्र में शिफ्ट कर दिया गया है।

चुनाव आयोग पर उठे सवाल

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग (ECI) से इस मामले में पारदर्शिता की मांग की है। उन्होंने कहा, "जबतक मतदाता सूची पूरी तरह सही और पारदर्शी नहीं होगी, तब तक लोकतंत्र पर सवाल उठते रहेंगे। चुनाव आयोग को इसकी पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और जनता के सामने स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि ये गड़बड़ियां कैसे और क्यों हो रही हैं।" उन्होंने आगे कहा कि आज के डिजिटल युग में मतदाता सूची में इस तरह की गलतियां सिर्फ तकनीकी खामी नहीं हो सकतीं, बल्कि इसके पीछे किसी बड़े राजनीतिक मकसद का होना भी संभव है।

विपक्षी दलों का समर्थन

कांग्रेस के आरोपों को कुछ अन्य विपक्षी दलों ने भी समर्थन दिया है। आम आदमी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं ने भी अपने-अपने राज्यों में इसी तरह की समस्याओं के सबूत मिलने का दावा किया है। इन दलों ने कहा कि अगर चुनाव आयोग ने समय रहते कदम नहीं उठाए, तो यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

जनता से अपील

राहुल गांधी ने देश के नागरिकों से अपील करते हुए कहा –

"हर मतदाता को चाहिए कि वह अपना नाम वोटर लिस्ट में जांच ले और किसी भी गड़बड़ी की तुरंत शिकायत करे। यह सिर्फ राजनीतिक दलों की नहीं, बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जागरूक रहें।" उन्होंने यह भी संकेत दिया कि कांग्रेस जल्द ही 'वोटर वेरिफिकेशन कैंपेन' शुरू करेगी, जिसमें पार्टी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों की मदद करेंगे ताकि हर वोटर का नाम सही सूची में दर्ज हो सके।

'पिक्चर अभी बाकी है' का मतलब

'पिक्चर अभी बाकी है' कहकर राहुल गांधी ने इशारा किया कि आने वाले दिनों में वे इससे जुड़ी और बड़ी जानकारियां उजागर करेंगे। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के पास ऐसे दस्तावेज और डेटा हैं, जो यह साबित कर सकते हैं कि मतदाता सूची में गड़बड़ी का खेल एक संगठित रणनीति का हिस्सा है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने भारत की व्यापार नीति पर जताई नाराजगी

-पुतिन संग होने वाली मुलाकात को बताया निर्णायक

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अपने तीखे और बेबाक बयानों से अंतरराष्ट्रीय राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। उन्होंने भारत के खिलाफ टैरिफ नीति को लेकर सख्त रुख दिखाया और रूस के साथ होने वाली अपनी आगामी मुलाकात को लेकर भी सीधी चेतावनी जैसी टिप्पणी की। ट्रम्प का कहना है कि भारत अमेरिकी उत्पादों पर ऊंचे टैरिफ लगाता है और यह स्थिति बदलनी चाहिए। वहीं, उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से इस हफ्ते होने वाली अपनी मुलाकात को लेकर कहा कि "डील होगी या नहीं, यह मुझे 2 मिनट में पता चल जाएगा।"

भारत पर टैरिफ को लेकर नाराजगी

ट्रम्प लंबे समय से भारत की टैरिफ नीति को लेकर असंतोष जाहिर करते रहे हैं। उनका आरोप है कि भारत अमेरिकी वस्तुओं और सेवाओं पर ऊंचा आयात शुल्क लगाकर अमेरिकी व्यापारिक हितों को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कुछ अमेरिकी मोटरसाइकिल और कृषि उत्पाद भारत में 50% से ज्यादा टैरिफ के साथ आयात किए जाते हैं, जबकि अमेरिका भारतीय उत्पादों को अपेक्षाकृत कम शुल्क पर अपने बाजार में प्रवेश देता है। ट्रम्प का मानना है कि यह व्यापार असंतुलन खत्म होना चाहिए और भारत को अपने टैरिफ में कमी करनी चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि भारत ने टैरिफ नीति में बदलाव नहीं किया तो अमेरिका कड़े कदम उठा सकता है। यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के प्रयास हो रहे हैं, लेकिन टैरिफ विवाद एक प्रमुख बाधा बना हुआ है।

रूस के लिए "झटका" वाला बयान

भारत पर टिप्पणी के तुरंत बाद ट्रम्प ने रूस को लेकर भी बयान दिया, जिसे कई विश्लेषक "डिप्लोमैटिक शॉक" बता रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि रूस के साथ उनकी मुलाकात "निर्णायक" होगी और वह 2 मिनट में तय कर लेंगे कि कोई डील संभव है या नहीं। यह बयान अमेरिकी राजनीतिक शैली में ट्रम्प के मशहूर "आर्ट ऑफ द डील" अंदाज को दर्शाता है, जिसमें वह तेज़ फैसलों और सीधी बातचीत पर जोर देते हैं। रूस के साथ ट्रम्प की संभावित चर्चा में यूक्रेन युद्ध, हथियार नियंत्रण संधि और ऊर्जा आपूर्ति के मुद्दे प्रमुख रह सकते हैं। ट्रम्प के इस बयान से यह संदेश भी जाता है कि वह रूस को बिना परिणाम वाले लंबे वार्ता दौर में उलझाने के बजाय त्वरित और स्पष्ट निष्कर्ष चाहते हैं।

अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया

ट्रम्प के इन बयानों पर वैश्विक स्तर पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। भारत में व्यापारिक संगठनों ने कहा है कि अमेरिका के साथ संतुलित व्यापार संबंध जरूरी हैं, लेकिन टैरिफ नीति को देश के हितों के मुताबिक ही बदला जा सकता है। वहीं, रूस में कुछ राजनीतिक विश्लेषकों ने ट्रम्प की 2 मिनट वाली टिप्पणी को "अत्यधिक आत्मविश्वास" करार दिया और कहा कि जटिल भू-राजनीतिक मसलों का हल इतनी जल्दी संभव नहीं होता। अमेरिकी विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प का बयान एक तरह से उनकी राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें वह अपनी "डील मेकर" छवि को फिर से उभार रहे हैं, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिका में चुनावी माहौल गर्म हो रहा है।

भारत-अमेरिका व्यापार समीकरण

भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ा है, लेकिन टैरिफ, बौद्धिक संपदा अधिकार और बाजार पहुंच जैसे मुद्दों पर विवाद भी बना हुआ है। अमेरिका चाहता है कि भारत अपने बाजार को अमेरिकी कृषि, मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी उत्पादों के लिए अधिक खोले, जबकि भारत अपनी घरेलू उद्योग और किसानों की सुरक्षा के लिए ऊंचे टैरिफ को जरूरी मानता है। ट्रम्प के कार्यकाल में अमेरिका ने भारत को जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज़ (GSP) से बाहर कर दिया था, जिसके तहत भारत को अमेरिकी बाजार में कई उत्पादों पर टैरिफ छूट मिलती थी। इस कदम से दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा था, जिसे बाद में बातचीत के जरिए कुछ हद तक कम किया गया।

रूस से संभावित वार्ता के मुद्दे

रूस के साथ ट्रम्प की मुलाकात में कई अहम मसले चर्चा में आ सकते हैं— यूक्रेन युद्ध: अमेरिका चाहता है कि रूस युद्ध खत्म करने के लिए स्पष्ट कदम उठाए। ऊर्जा आपूर्ति: यूरोप और वैश्विक बाजार में तेल-गैस की कीमतें स्थिर करने पर विचार।

प्रियंका गांधी का आरोप – गाज़ा नरसंहार पर भारत सरकार खामोश

-इज़राइल ने 60 हज़ार लोगों की जान ली, इज़राइली राजदूत बोले – हमास ज़िम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गाज़ा में चल रहे संघर्ष और वहां हो रही भारी तबाही पर केंद्र सरकार की चुप्पी को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि गाज़ा में इज़राइली हमलों के कारण अब तक 60 हज़ार से ज़्यादा फ़िलिस्तीनी नागरिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, लेकिन भारत सरकार अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों और मानवीय मूल्यों की रक्षा के लिए कोई ठोस बयान या पहल नहीं कर रही।

प्रियंका गांधी का बयान

मंगलवार को एक प्रेस बयान जारी करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा, "गाज़ा में हो रही तबाही को देखकर हर इंसान का दिल दहल जाएगा। हज़ारों बच्चे, मासूम और बेगुनाह लोग बमबारी में अपनी जान गंवा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र और कई देशों ने इस पर चिंता जताई है, लेकिन अफ़सोस है कि भारत सरकार चुप्पी साधे हुए है। यह वही भारत है जिसने हमेशा अन्याय और अत्याचार के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद की है, लेकिन आज विदेश नीति मानवता से दूर होती नज़र आ रही है।" उन्होंने कहा कि भारत की चुप्पी न सिर्फ़ देश की नैतिक साख को नुकसान पहुंचा रही है, बल्कि हमारी ऐतिहासिक छवि—जो अहिंसा और मानवीयता के पक्षधर के रूप में बनी थी—उस पर भी धब्बा लगा रही है। प्रियंका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि वे स्पष्ट रूप से गाज़ा में हो रहे नरसंहार की निंदा करें और युद्धविराम के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इज़राइल का पक्ष – 'हमास की गलती'

इधर, भारत में इज़राइल के राजदूत ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि गाज़ा में जो भी स्थिति बनी है, उसकी ज़िम्मेदारी हमास पर है। राजदूत के मुताबिक, "हमास ने इज़राइल पर अचानक हमला किया, जिसमें हमारे सैकड़ों नागरिक मारे गए और हज़ारों घायल हुए। इसके बाद हमें अपने लोगों की सुरक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। हम कभी भी निर्दोष लोगों को निशाना बनाने का इरादा नहीं रखते, लेकिन हमास जानबूझकर अपने ठिकाने अस्पतालों, स्कूलों और रिहायशी इलाकों में बनाता है, जिससे हताहतों की संख्या बढ़ती है।" राजदूत ने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को केवल इज़राइल पर आरोप लगाने के बजाय हमास के आतंकवादी ढांचे और उसकी रणनीति की भी निंदा करनी चाहिए। उन्होंने यह दावा किया कि इज़राइल ने गाज़ा में राहत और मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए कई बार अस्थायी युद्धविराम की पेशकश की, लेकिन हमास ने इन प्रस्तावों का उपयोग फिर से हमला करने के लिए किया।

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन गाज़ा की स्थिति को 'मानवीय आपदा' करार दे चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, गाज़ा पट्टी में जारी संघर्ष ने लाखों लोगों को बेघर कर दिया है और बुनियादी ढांचे को तबाह कर दिया है। अस्पतालों में दवाइयों और बिजली की कमी है, जबकि पीने के पानी और खाद्य सामग्री की भारी किल्लत हो गई है। अमेरिका और यूरोप के कुछ देशों ने इज़राइल के समर्थन में बयान दिए हैं, लेकिन कई राष्ट्र, जिनमें दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, मलेशिया और आयरलैंड शामिल हैं, ने इज़राइल की कार्रवाइयों को 'युद्ध अपराध' बताया है। वहीं, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में भी इस मुद्दे पर सुनवाई चल रही है।

भारत की चुप्पी पर सवाल

भारत ने अब तक गाज़ा संघर्ष पर कोई सीधी निंदा नहीं की है। विदेश मंत्रालय का आधिकारिक रुख यही है कि भारत आतंकवाद के खिलाफ है और सभी पक्षों से संयम बरतने और संवाद से समाधान खोजने की अपील करता है। हालांकि, विपक्ष का आरोप है कि यह बयान 'बहुत सामान्य' है और इसमें इज़राइल की कार्रवाइयों की आलोचना से परहेज़ किया गया है। प्रियंका गांधी का कहना है कि भारत जैसे बड़े लोकतांत्रिक और नैतिक नेतृत्व वाले देश की चुप्पी का दुनिया भर में गलत संदेश जा रहा है। उन्होंने कहा, "अगर हम आज अन्याय के खिलाफ नहीं बोलेंगे तो कल हमारे अपने नागरिक भी यही सवाल पूछेंगे कि जब दुनिया में इंसानियत पर हमला हो रहा था, तब भारत कहां था।" गाज़ा में जारी संघर्ष पर भारत की कूटनीतिक स्थिति को लेकर देश के भीतर बहस तेज़ हो गई है।

पूर्व अमेरिकी अधिकारी का दावा: आसिम मुनीर 'सूट पहनने वाला लादेन'

-PAK आर्मी चीफ ने दी थी परमाणु हमले की धमकी

वॉशिंगटन डीसी/इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर को लेकर अमेरिका के एक पूर्व अधिकारी का बयान अंतरराष्ट्रीय हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। इस अधिकारी ने मुनीर को "सूट पहनने वाला ओसामा बिन लादेन" करार दिया और आरोप लगाया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान भारत को परोक्ष रूप से परमाणु हमले की धमकी दी थी। यही नहीं, पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भी अतीत में भारत को जंग की चेतावनी दी थी, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और गहरा गया था।

अमेरिकी अधिकारी का विवादित बयान

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह बयान एक पूर्व वरिष्ठ अमेरिकी कूटनीतिज्ञ ने दिया है, जो पाकिस्तान और दक्षिण एशिया मामलों से जुड़े रह चुके हैं। उन्होंने कहा कि जनरल आसिम मुनीर भले ही पश्चिमी देशों में अच्छी छवि बनाने के लिए सूट-बूट पहनकर सभ्य नेता की तरह पेश आते हों, लेकिन उनके बयानों और रणनीतियों में कट्टरपंथी सोच झलकती है। अधिकारी का दावा है कि मुनीर का रवैया और बयानबाज़ी, भारत और अफगानिस्तान के प्रति, क्षेत्र में स्थिरता की बजाय टकराव को बढ़ावा देने वाले हैं।

परमाणु धमकी का मामला

पूर्व अमेरिकी अधिकारी के अनुसार, कुछ समय पहले पाकिस्तान सेना प्रमुख ने एक गोपनीय बैठक में संकेत दिया था कि यदि भारत ने "रेड लाइन" पार की, तो पाकिस्तान परमाणु विकल्प का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा। हालांकि यह बयान आधिकारिक रूप से दर्ज नहीं किया गया, लेकिन सूत्रों का दावा है कि इसके बाद अमेरिकी खुफिया तंत्र ने इस चेतावनी को गंभीरता से लिया था। भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु हथियारों का जखीरा पहले से मौजूद है, और ऐसे बयानों से दक्षिण एशिया में अस्थिरता का माहौल बनता है।

बिलावल भुट्टो की जंग की चेतावनी

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी अतीत में आक्रामक बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री पर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और कहा था कि पाकिस्तान "हर स्तर पर" भारत का जवाब देगा। उनके बयानों को भी भारत-विरोधी प्रचार और उकसावे की रणनीति माना गया था। यह बयान उस समय आया था जब कश्मीर मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले से ही तनाव चरम पर था।

भारत की प्रतिक्रिया और कूटनीतिक रुख

भारत ने ऐसे बयानों को हमेशा सख्ती से खारिज किया है और पाकिस्तान पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। भारतीय विदेश मंत्रालय का मानना है कि पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के इस तरह के बयान न केवल दोनों देशों के बीच बातचीत के माहौल को खराब करते हैं, बल्कि क्षेत्रीय शांति के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। भारत का रुख स्पष्ट है कि बातचीत केवल आतंकवाद और हिंसा से मुक्त माहौल में ही संभव है

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,